गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं

आज की खबर आज ही

website:www.chetnamanch.com | Chetna Manch | Chetna Manch

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 256 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 07 सितंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

कसम खाकर कहता हूं, 370 वापस नहीं लाने दूंगा : शाह

जम्मू (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने आज जनसभा को संबोधित किया।

अमित शाह ने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें मत जिताना, नहीं तो जम्मू-कश्मीर का विकास रुक जाएगा। हम जम्मू-कश्मीर के विकास और आतंकवाद से बचाने का हमेशा काम करेंगे। हमने जम्मू में हजारों करोड़ों रुपये का विकास किया है। केन्द्रीय गृहमंत्री ने कहा कि वह कसम खाकर कहते हैं कि धारा-370 कभी वापस लागू नहीं होने देंगे।

जनसभा को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि हम जम्मू को आतंकवाद की आग से हमेशा से बचने का काम करेंगे। मैं आज आपके सामने कह कर जाता हूं कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला और कांग्रेस की सरकार कभी नहीं बन सकती। भाइयों यह वह लोग हैं, जिन्होंने हमारे महाराज को जम्मू कश्मीर से बाहर निकाल दिया।

उन्होंने कहा कि नेकां सत्ता में आई तो आतंकवाद आएगा। अगर भाजपा सत्ता में आई तो किसी में भी ताकत नहीं है कि यहां आतंकवाद आए। हमने अकेले जम्मू में हजारों करोड़ रुपये का विकास कार्य किया है। आतंकियों को चुन-चुन कर सफाया करने का काम भारतीय जनता पार्टी ने किया है। कई वर्षों के बाद श्री अमरनाथ की यात्रा भय मुक्त वातावरण में हुई है। अगर यह सत्ता में आए तो उनके पीछे आतंकवाद भी आएगा। जम्मू-कश्मीर की जनता को यह तय करना है कि आपको आतंकवाद चाहिए या शांति और विकास।

अमित शाह ने कहा कि कश्मीर में ऐसी सरकार थी, जिन्होंने आतंकवाद का साथ दिया। यहां वह लोग भी थे, जब सरकार बनती थी, शांति होती थी तो मंत्री बन जाते थे और जब आतंक होता था तो यह दिल्ली की कॉफी बार में जाकर बैठ जाते थे।

कांग्रेस के सांसद गांधी पर हमला बोलते हुए शाह ने कहा कि राहुल बाबा कहते हैं कि हम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस देंगे। मैं पूछना चाहता हूं कि यह दर्जा कौन वापस दे सकता है। आप क्यों मूर्ख बना रहे हैं। यह दर्जा तो सिर्फ भारत सरकार दे सकती है। प्रधानमंत्री दे सकते हैं। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

जगह-जगह गूंज रहा गणपति बप्पा मोरया

गणेश चतुर्थी पर गणपति की मूर्तियां स्थापित, पूजा-पाठ शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। आज गणेश चतुर्थी पर जगह-जगह गणपति बप्पा स्थापित हो गए तथा सुबह से पूजा-अर्चना शुरू हो गई। सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर में भी आज गणेश प्रतिमा की भक्तों ने पूजा-अर्चना की। वहीं सेक्टर-11 के एल ब्लॉक स्थित मंदिर में सेक्टरवासियों ने गणेश वंदना कर गणेश पूजा का शुभारंभ किया।इस मौके पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अनुज गुप्ता समेत सभी सेक्टरवासी मौजूद थे। सेक्टर-34 स्थित बी-3 अरावली में भी गणपति की मूर्ति स्थापित की गई जहां लगातार रोज सुबह-शाम पूजा-अर्चना की जाएगी।

उधर महर्षिनगर में भी महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ द्वारा गणेश पूजन महोत्सव का आज शुभारंभ हो गया। प्रवक्ता ए.के. लाल ने बताया कि यहां रोजाना सुबह-शाम पूजा की जाएगी। यह गणेश पूजन महोत्सव 17 सितंबर तक चलेगा।

लापता दोनों छात्र सकुशल बरामद

नंबर कम आने पर स्कूल से चले गए थे

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-58 थाना क्षेत्र से लापता दोनों छात्रों को नोएडा पुलिस ने अथक मेहनत के बाद सकुशल बरामद कर लिया है। नोएडा जोन-1 के एसीसी-।। अरविंद कुमार ने बताया कि लापता छात्रों को ढूंढने के लिए पुलिस की पांच टीमें लगाई गई थीं। दोनों छात्रों को दिल्ली के आनंद बिहार रेलवे स्टेशन के बाहर से बरामद किया गया है। छात्रों का सुराग लगाने के लिए पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले थे तथा जगह-जगह पूछताछ की। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

गाजियाबाद में युवती की हत्या कर शव को जलाया

गाजियाबाद (चेतना मंच)। बॉर्डर थाना क्षेत्र के बेहटा रेलवे अंडरपास के पास अज्ञात महिला की हत्या के बाद शव को फेंक दिया। महिला की पहचान छुपाने के लिए शव को जलाया गया। सुबह करीब 5:00 बजे दौड़ लगा रहे युवकों ने शव देखकर पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

बेहटा रेलवे अंडरपास की तरफ शनिवार सुबह करीब 5 बजे कुछ युवक दौड़ लगा रहे थे। रास्ते में सड़क किनारे उन्हें महिला का शव जली हुई अवस्था में मिला। तभी वहां लोगों की भीड़ उमड़ गई। घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंचे पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

घटना की जानकारी होने पर डीसीपी ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने मामले की

जानकारी ली। पुलिस ने आसपास के लोगों को महिला का फोटो दिखाकर शिनाख्त के प्रयास किए। लेकिन किसी ने भी पहचान नहीं की। पुलिस में शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एसीपी अंकुर विहार भास्कर वर्मा ने बताया कि मृतका महिला की उम्र करीब 30 वर्ष प्रतीक की हो रही है। संभावना है कि महिला की हत्या करते यहां शव फेंका गया है। पहचान छुपाने के लिए महिला का चेहरा जलाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत के कारण का पता चलेगा।

मुठभेड़ में 25 हजार का ईनामी बदमाश हुआ लंगड़ा

दिल्ली, नोएडा एवं गाजियाबाद में दर्ज हैं मुकदमें

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर 126 में पुलिस और बदमाशों के बीच देर रात हुई मुठभेड़ में दो बदमाश घायल हो गए जबकि उनके तीन साथी मौके से फरार हो गए। पुलिस को मिली सूचना के आधार पर पुस्ता रोड जे.पी. कट के पास रात्रि चेकिंग के दौरान यह मुठभेड़ हुई।

चेकिंग के दौरान पुलिस ने सेक्टर 135 की ओर से आ रही एक संदिग्ध वैन को रुकने का इशारा किया। लेकिन वैन का ड्राइवर वैन को तेजी से भगाने लगा। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

ग्रेटर नोएडा में बारिश से गिरा मकान, 7 लोग दबे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बारिश के कारण ग्रेटर नोएडा में एक मकान गिर पड़ा। मकान गिरने से परिवार के सभी सदस्य उसमें दब गए। स्थानीय लोगों ने सभी को बाहर निकाला और घायलों को आनन फानन में अस्पताल में भर्ती करवाया। इस घटना से इलाके में हाहाकार मचा हुआ है।

उत्तर भारत के कई इलाकों में भारी बारिश का विकराल रूप देखने को मिल रहा है। जहां कई इलाकों की सड़कें तालाब बनती नजर आ रही है वहीं कुछ इलाकों में भारी बारिश ने लोगों की जिन्दगी तहस-नहस करके रख दी है। मिली जानकारी के मुताबिक भारी बारिश के चलते **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

विदेश में मोटे पैकेज की नौकरी का झांसा देकर ठगी का धंधा

सेक्टर-63 से 6 महिलाओं समेत गिरोह के 9 लोग गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। विदेश में मोटे पैकेज पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपए ठगने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश नोएडा कमिश्नरेट पुलिस ने किया है। पुलिस ने इस मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनमें 6 महिलाएं भी शामिल हैं। इस गिरोह से 24 लैपटॉप, एक एप्पल टैब, सीपीयू भी बरामद हुआ है। इस गिरोह के बारे में थाना सेक्टर-63 पुलिस को 15 से ज्यादा शिकायतें मिली थी

नोएडा कमिश्नरेट के थाना सेक्टर-63 के प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि थाना सेक्टर-63 में विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपए ठगने वाले गिरोह के बारे में शिकायतें मिल रही थी। इसकी जांच करते हुए पुलिस ने सेक्टर-63 के सी ब्लॉक में एक ऑफिस में छापा मारा। यहां से पुलिस ने नौ लोगों को गिरफ्तार किया।

इस गिरोह का मास्टरमाइंड पंकज कुमार और उसकी पत्नी मनप्रीत कौर है। उन्होंने बताया कि सेक्टर-63 के सी ब्लॉक में वियोन स्पार्क ओवरसीज के नाम से एक कंपनी खोली गई थी। यह कंपनी मनप्रीत कौर के नाम से रजिस्टर्ड है। उन्होंने बताया कि गिरोह उन लोगों को टारगेट करता था जो सोशल मीडिया पर नौकरी तलाशते थे। वहां से उनका रिज्यूम लेकर कंपनी के लोग संपर्क करते थे और उन्हें विदेशों में स्टोर कीपर, स्टोर मैनेजर और एडमिन की नौकरी मोटे पैकेज पर दिलाने का झांसा देते थे। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

गोल्डन बॉय प्रवीण कुमार के गांव में जश्न

माता-पिता बोले, हमारा बेटा बाद में, पहले देश का बेटा है प्रवीण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पेरिस पैरा ओलंपिक में गोल्डन जम्प लगाने वाले प्रवीण कुमार के

जेवर स्थित गांव में जश्न का माहौल है। गांव के बेटे की इस कामयाबी पर प्रवीण कुमार की माँ श्रीमती संतोष व पिता अमरपाल सिंह भी बेहद खुश हैं।

ग्रेटर नोएडा के तहसील जेवर के गांव गोविंदगढ़ में उसे समय जश्न का माहौल बन गया। जब पेरिस में चल रहे पैरालंपिक में गांव के पैरा एथलीट प्रवीण कुमार ने एशिया रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता। गांव वालों ने प्रवीण कुमार की इस उपलब्धि को गांव के शिव मंदिर में लगे टीवी में देखा और एक दूसरे को बधाइयां दी। अब उन्हें प्रवीण के आने का इंतजार है, जब प्रवीण कुमार आएंगे तो उनका भव्य स्वागत किया जाएगा।

अपने क्रिकेट के लिए लोगों के हुजूम को टीवी पर चिपके हुए देखा होगा, लेकिन जेवर के गोविंदगढ़ गांव

में लोगों में ऐसा ही जुनून तब दिखाई दिया, शिव मंदिर में लगे टीवी में चल रहे पैरालंपिक की लाइव टेलीकास्ट को देखने में भारी संख्या में गांव वासी जुटे हुए थे और जयकारों के बीच लोग ने प्रवीण को गोल्डन जंप लगाकर आसमान की ऊंचाइयों को छूते हुए देखा और जश्न मनाने लगे। गांव के लोगों का कहना था कि यह उनके जीवन का ऐसा पल है जो शायद फिर आए ना आए। प्रवीण कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद -T64 फाइनल स्पर्धा में 2.08 मीटर की अपनी व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीता

देश का बेटा है प्रवीण

पेरिस पैराओलंपिक में ऊंची कूद में गोल्ड मेडल जीतने वाले प्रवीण कुमार के पिता अमरपाल सिंह ने न्यूज़ एजेंसी से बातचीत में कहा कि बेटे की कामयाबी के बाद उन्हें काफी खुशी है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता से पहले उनकी प्रवीण कुमार से फोन पर बात हुई थी उन्होंने कहा था कि किसी भी तरह का टेंशन मत लेना नहीं तो कामयाबी नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रवीण पिछले 5 साल से **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

एसीईओ के निरीक्षण में मिली कई खामियां

ठेकेदार पर 1 लाख का जुर्माना, एपीई का एक दिन का वेतन काटा

नोएडा (चेतना मंच)। निर्माण की गुणवत्ता खराब मिलने पर एसीईओ संजीव खत्री ने संविदाकार पर एक लाख का जुर्माना लगाया। वहीं एक अन्य स्थान पर ठेकेदार के खिलाफ कार्यवाही करने तथा अभियंता से स्पष्टीकरण मांगा गया। इस दौरान नदारद सहायक परियोजना अभियंता का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए।

प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने शुक्रवार को वर्क सर्किल-9 के क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण में जीएम जन स्वास्थ्य एसपी सिंह, परियोजना अभियंता और वरिष्ठ प्रबंधक शामिल रहे। सबसे पहले उन्होंने सेक्टर-94 में अंतिम निवास के सामने 45 मीटर रोड के कुछ हिस्से में 400 मीटर लम्बाई में सड़क का कार्य रोका गया है।

इस जमीन पर किसान से विवाद है। निर्देश दिए कि सड़क के इस भाग को

यथाशीघ्र अर्जन किया जाए। सेक्टर-127 के सामने एक्सप्रेस वे के समानान्तर 45.00 मीटर चौड़ी सड़क के फुटपाथ का दिव्यांग एवं वृद्धजनो की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लो हाइट में निर्मित फुटपाथ में कुछ स्थलों पर ब्रिक वर्क के ऊपर कॉपिंग में डाली गयी कंक्रीट की गुणवत्ता खराब पायी गई। सम्बन्धित अभियन्ता से स्पष्टीकरण लेने एवं ठेकेदार के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। सेक्टर-125 एमिटी यूनिवर्सिटी के सामने वेडिंग जोन के आस-पास गार्बेज व सीएण्डडी पाया गया जिसकी सफाई कराकर फोटो सहित आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। सेक्टर-125, 126 एवं 127 के सामने एक्सप्रेस वे की सर्विस रोड पर जगह-जगह पॉलिथीन व अन्य गार्बेज पड़ा हुआ पाया गया। पटरियों पर घास भी उगी हुई पाई गई। जिसकी नियमित रूप से कटिंग नहीं की जा रही थी। संविदाकार ओएनेक्स मैनेजमेंट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड की ओर से कार्य में की जा रही लापवाही के दृष्टिगत संविदाकार को नोटिस जारी और एक लाख की पेनल्टी लगाने के निर्देश दिये गये। वहीं जन स्वास्थ्य विभाग द्वितीय के सहायक परियोजना अभियन्ता सुशील कुमार द्वारा निरीक्षण में भाग नहीं लिया गया। जोकि कार्य में लापरवाही का द्योतक है। ऐसे में सहायक परियोजना अभियन्ता सुशील कुमार का स्पष्टीकरण लेने व एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये गये।

वित्तीय संकट

धीरे-धीरे पंजाब व हिमाचल सरकारों के मुखियाओं को अहसास होने लगा है कि वित्तीय संकट दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। लगातार बढ़ते राजस्व घाटे व बड़ी होती देनदारियों से सत्ता में बैठे राजनेताओं को बखूबी पता चल रहा है कि सस्ती लोकप्रियता पाने के लिये मुफ्त का जो चंदन घिसा जा रहा था, वह राज्य की अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रहा है। यहां तक कि कर्मचारियों को वेतन व रिटायर कर्मियों को समय पर पेंशन देने में मुश्किल आ रही है। गाल बजाकर बड़ी-बड़ी घोषणाएं करने वाले राजनेता तनख्वाह व पेंशन की तारीख आगे बढ़ाकर दावा कर रहे हैं कि इससे राज्य को आर्थिक बचत होने वाली है। संवेदनहीन राजनेताओं को इस बात का अहसास नहीं है कि वेतन पर आश्रित कर्मियों को राशन-पानी, बच्चों की स्कूल की फीस व लोन की ईएमआई समय पर चुकानी होती है। जिसको लेकर बैंक कोई रहम नहीं दिखाते हैं। राजनेताओं के आय के तमाम वैध-अवैध स्रोत होते हैं, कर्मचारी तो इकलौती तनख्वाह के भरोसे जीवन-यापन करता है। बहरहाल, चुनाव से पूर्व मुफ्त प्रलोभनों की तमाम घोषणाएं करने वाले राजनेताओं को अहसास हो चला है कि राज्य के खजाने में उनकी राजनीतिक विलासिता का बोझ ढोने का दमखम नहीं बचा है। विभिन्न दलों की शाहखर्ची ने राज्यों की आर्थिकी की हालत पहले ही पस्त कर रखी है। राजनेताओं ने कभी वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं किया। दिल्ली से लेकर पंजाब तक आप सरकारों ने तमाम तरह की मुफ्त की रेवड़ियां बांटी हैं। दरअसल, जिस भी नागरिक सुविधा को मुफ्त किया जाता है, उस विभाग का तो भट्टा बैठ जाता है। फिर उसकी आर्थिकी कभी नहीं संभल पाती। कैग की हालिया रिपोर्ट बताती है कि पंजाब में एक निर्धारित यूनिट तक मुफ्त बिजली बांटे जाने से राज्य के अस्सी फीसदी घरेलू उपभोक्ता मुफ्त की बिजली इस्तेमाल कर रहे हैं। जाहिरा बात है कि मुफ्त में कुछ नहीं मिलता। मुफ्त की राजनीति के चलते इन महकमों के विस्तार व विकास पर ब्रेक लग जाता है। बहरहाल, पंजाब के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की हालिया रिपोर्ट राज्य की वित्तीय प्राप्तियों और खर्चे के बीच बढ़ते राजकोषीय अंतर की ओर इशारा करती है। बीते वित्तीय वर्ष की आर्थिक बदहाली को दर्शाती कैग की रिपोर्ट बताती है कि कैसे राज्य सरकार की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज चुकाने में चला जा रहा है। यह भी चिंताजनक है कि राज्य का राजस्व घाटा, सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 1.99 फीसदी लक्ष्य के मुकाबले 3.87 फीसदी तक जा पहुंचा है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि राज्य का सार्वजनिक ऋण जीएसडीपी का 44.12 फीसदी हो गया है। यदि अब भी सत्ताधीश वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं करते तो निश्चित ही राज्य को बड़ी मुश्किल की ओर धकेलने जैसी बात होगी। जिसका उदाहरण सामने है कि बीते माह का वेतन निर्धारित समय पर नहीं मिल पा रहा है। इसके बावजूद यदि राजनेता शाहखर्ची से बाज नहीं आते और मुफ्त की रेवड़ियों को बांटने का क्रम जारी रखते हैं तो उसकी कीमत न केवल टैक्स देने वालों को चुकानी पड़ेगी बल्कि आम लोगों के जीवन पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। वहीं दूसरी ओर राज्य का खर्चा जहां 13 प्रतिशत की गति से बढ़ रहा है, वहीं राजस्व प्राप्तियां 10.76 फीसदी की दर से बढ़ रही हैं। जाहिर है, ये अंतर राज्य की आर्थिक बदहाली की तस्वीर ही उकेरता है। अभी भी वक्त है कि राजनेता सस्ती लोकप्रियता पाने के लिये सब्सिडी की राजनीति से परहेज करें और वित्तीय अनुशासन से राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का प्रयास करें। उन्हें अपने घोषणापत्र में यह बात स्पष्ट करनी चाहिए कि वे जो लोकलुभावनी योजना लाने जा रहे हैं, उसके वित्तीय स्रोत क्या होंगे? कैसे व कहां से यह धन जुटाया जाएगा? साथ ही जनता को भी सोचना चाहिए कि मुफ्त के लालच में दिया गया वोट कालांतर उनके हितों पर भारी पड़ेगा। उन्हें सोचना होगा कि कभी-कभी मुफ्त बहुत महंगा पड़ता है। हमें अपने छोटे स्वार्थों के लिये राज्य के बड़े हितों से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि ब्रह्म का निरूपण, धर्म का विधान और तत्त्वों के विभाग का वर्णन करते हैं तथा ज्ञान-वैराग्य से युक्त भगवान की भक्ति का कथन करते हैं।। उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

एहि प्रकार भरि माघ नहाहीं। पुनि सब निज निज आश्रम जाहीं॥

प्रति संबत अति होइ अनंदा। मकर मज्जि गवनहिं मुनिबृंदा॥

इसी प्रकार माघ के महीनेभर स्नान करते हैं और फिर सब अपने-अपने आश्रमों को चले जाते हैं। हर साल वहाँ इसी तरह बड़ा आनंद होता है। मकर में स्नान करके मुनिगण चले जाते हैं॥

एक बार भरि मकर नहाए। सब मुनीस आश्रमन्ह सिधाए॥

जागबलिक मुनि परम बिबेकी। भरद्वाज राखे पद टेकी॥

एक बार पूरे मकरभर स्नान करके सब मुनीश्वर अपने-अपने आश्रमों को लौट गए। परम ज्ञानी याज्ञवल्क्य मुनि को चरण पकड़कर भरद्वाजजी ने रख लिया॥

सादर चरन सरोज पखारे। अति पुनीत आसन बैठारे॥

करि पूजा मुनि सुजसु बखानी। बोले अति पुनीत मृदु बानी॥

आदरपूर्वक उनके चरण कमल धोए और बड़े ही पवित्र आसन पर उन्हें बैठाया। पूजा करके मुनि याज्ञवल्क्यजी के सुयश का वर्णन किया और फिर अत्यंत पवित्र और कोमल वाणी से बोले- ॥

(क्रमशः..)

मानसिक सेहत के प्रति सजगता रोकेगी आत्महत्याएं

दुनिया में कहीं और की अपेक्षा भारत में लोग अधिक आत्महत्या कर रहे हैं। वर्ष 2016 में भारत में प्रति एक लाख लोगों पर आत्महत्या की दर 16.5 रही, जबकि वैश्विक औसत 10.5 थी। यहां सवाल स्वाभाविक है कि लोगों को अपनी जान लेने की तरफ क्या चीज़ धकेलती है? क्या आत्महत्या की व्याधि एक व्यक्तिगत घटना है या हमारी सामाजिक, प्रशासनिक, आर्थिक, शैक्षणिक और धार्मिक व्यवस्था को आगे आकर इसकी ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए? मानसिक रोग, ड्रग्स की लत, तलाक, असफल प्रेम संबंध, यौन हिंसा, दिवालियापन, शैक्षणिक विफलता, बेरोज़गारी और गरीबी खुदकुशी करने के मुख्य कारण हैं। इनके अलावा दक्षिण एशियाई देशों में एक और वजह है : समाज में इज्जत को ठेस। भारत में उच्च आत्महत्या दर की वजहों की, विशेषकर समाज के कुछ खास वर्गों में, जांच की जानी चाहिए। विश्व खुशहाली रिपोर्ट-2024 में भारत को 143 देशों में 126वां स्थान मिला है, यह पड़ोस के पाकिस्तान और नेपाल से भी नीचे है। तो भारत में इतने सारे लोग दुखी क्यों हैं? सामान्य कारकों के अलावा, भारत में आत्महत्या के ग्राफ में एक अजीब सी समानता भी है- युवा, निम्न आय वर्ग, किसान और महिलाओं में आत्महत्या की दर ज्यादा है।

15 से 29 आयु वर्ग, जो भारत की जनसंख्या का 53.7 प्रतिशत है, उसमें मौत के कारणों में आत्महत्याओं का हिस्सा काफी अधिक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2020 रिपोर्ट बताती है, उस साल हर दिन 35 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या की। इस वर्ष कोटा में अब तक 13 छात्र यह अतिशयी कदम उठा चुके हैं, जबकि पिछले साल देश के इस कोचिंग के गढ़ में 26 छात्रों ने खुदकुशी की थी।

गला-काट प्रतिस्पर्धा, उच्च प्रदर्शन का दबाव और असफलता का डर जिसको कभी-कभी माता-पिता का अधीर रवैया भी हवा देता है- युवा मानस के लिए इनको संभालना बहुत मुश्किल हो सकता है। नौकरी के चाहवान बहुत हैं और नौकरियां अत्यंत कम। लगभग 10 प्रतिशत भारतीय युवा बेरोजगार, नाखुश, चिंतित हैं और उनके पास अपनी रोजमर्रा की जरूरतें तक पूरा करने के लिए संसाधन नहीं हैं। रोजगार के मामले में महिलाएं पुरुषों से काफी पीछे हैं। बहुत बड़ी संख्या में नौकरी के चाहवानों के लिए न सिर्फ नौकरियां बहुत कम हैं, बल्कि निष्पक्ष और योग्यता आधारित भर्तियों की भी कमी है, जिससे आक्रोश और अरुचि उत्पन्न होती है। राजस्थान लोक सेवा आयोग के पेपर लीक और परिणामों में हेराफेरी को लेकर चल रही कानूनी कार्रवाई के कारण पिछले चार वर्षों में कई परीक्षाएं रद्द करनी पड़ी हैं। अन्य राज्य भी इसी किस्म की स्थिति से त्रस्त हैं।

आत्महत्या से होने वाली मौतों में दो तिहाई हिस्सा न्यूनतम आय वर्ग के लोगों का है। इसके अलावा, वर्ष 2022 में किसानों और खेतीहर मजदूरों ने 11,290 खुदकुशी की। अपने वजूद और सुख के लिए आधारभूत आवश्यकताएं रोटी, कपड़ा और मकान हैं। नीति आयोग के अनुसार, 50 प्रतिशत भारतीयों की औसत मासिक क्रय शक्ति, क्रमशः ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में, 3,094 रुपये और 4,963 रुपये है। ग्रामीण और शहरी आबादी के निचले 20 प्रतिशत में आने वाले लोगों के पास खुद के वास्ते और परिवार को जिंदा रखने के लिए दैनिक खर्च क्षमता महज 70-100 रुपये है। इतने कम पैसे में भोजन, कपड़ा और मकान का इंतजाम कर लेना बेहद मुश्किल है।

आत्महत्या से होने वाली प्रत्येक मौत के बरक्स 200 से ज़्यादा लोग आत्महत्या करने की प्रवृत्ति और विचार पाले हुए हैं। चिंताजनक बात यह है कि वैश्विक औसत की तुलना में भारतीय महिलाओं की खुदकुशी दर दोगुनी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक, 2021 में हर दिन औसतन 86 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए। यह संख्या असल से बहुत कम हो सकती है, क्योंकि अधिकांश पीड़ित महिलाएं लोकलाज आदि के डर से मामला दर्ज करवाने नहीं जातीं। महिलाओं का एक बड़ा हिस्सा शारीरिक-मानसिक शोषण और उत्पीड़न का शिकार होता है, तिस पर व्यवस्था से सुनवाई की उम्मीद बहुत कम है।

खेती से मोहभंग और शहरी जीवन की चकाचौंध से ग्रस्त होकर, ग्रामीण युवा पलायन के मौके की तलाश में रहते हैं, जिससे वे भारी संख्या में बड़े शहरों का रुख करते हैं। शहरीकरण तनावों को बढ़ाता है- जीवनयापन की उच्च लागत, जिंदगी की तेज़ रफ्तार, सफलता प्राप्ति का दबाव और दुनिया में पैर जमाने का संघर्ष। परिवार और समुदाय की सुरक्षा छतरी सिर पर नहीं रहने से व्यक्ति में असुरक्षा बोध पैदा होता है। असफल होने वाले बहुत से लोग वहीं फंसकर रह जाते हैं। गांव वे लौटना नहीं चाहते, और शहर में कुछ पल्ले नहीं पड़ता।

दरअसल, हमारी शिक्षा प्रणाली में कुछ गंभीर गड़बड़ी है। आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार, केवल 51.25 प्रतिशत युवा ही रोजगार के लायक माने जाते हैं। यानी दो में से एक युवा अभी भी कॉलेज से सीधे कार्यबल की योग्यता लायक तैयार नहीं है। उच्च शिक्षा में दाखिला बढ़ा है, लेकिन अधिकांश छात्रों में आलोचनात्मक सोच, दृढ़ता आदि की कमी है। नशे की लत, हिंसा, अपराध, अवसाद और आत्महत्या अधिकतर बेरोजगारी के कारण पैदा हुई निराशा के परिणामवश है।

रोजाना 100 रुपये से कम पर गुजारा करने वाले संघर्षशील युवा के लिए सोशल मीडिया अमीरों की दुनिया में झांकने का मौका देता है, जिससे उनके अंदर भी शानदार कारें और महंगे फोन की ख्वाहिशें जगती हैं। आकांक्षाएं बढ़ रही हैं, लेकिन नौकरियां और अवसर कम हैं। हसरतों और हकीकत के बीच का अंतर संभालना मानव मस्तिष्क के लिए बहुत मुश्किल बन जाता है। ऐसे देश में जहां चोटी के एक प्रतिशत अमीरों के पास कुल संपत्ति का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा हो और निचले तबके के आधों के पास कुल संपत्ति का महज 3 फीसदी हिस्सा, वहां संसाधनों तक पहुंच में चौंका देने वाला अंतर स्पष्ट है।

भारत में आत्महत्या रूपी महामारी से निपटने हेतु उपाय खोजने की फौरी जरूरत है। इसका हल केवल सतही उपाय करने में निहित नहीं है। हमारी व्यवस्था में व्याप्त दोषों को ठीक करने के लिए बहुआयामी और वास्तविक प्रयास जरूरी हैं, इससे नीचे कुछ भी कीमती जानें नहीं बचा सकता। ऐसे देश में जहां बड़ी संख्या में लोग अभी भी देसी उपचारों से अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज करने की कोशिश करते हैं, वहां मानसिक स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे व्यक्ति के लिए मनोचिकित्सक से परामर्श पाने की संभावना नगण्य है।

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूकता का अभाव, अपर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं और ऐसी समस्याओं से जुड़ी सामाजिक कलंक की सोच एक भंवर बना देते हैं। इन मुद्दों का हल निकालना आत्महत्याएं रोकने में पहला कदम हो सकता है, इसके बाद आता है सबसे अधिक जोखिम वाले वर्ग की ओर ध्यान केंद्रित करना।

-रंजीत पवार

पैरा ओलंपिक में निषाद को फिर रजत

ओलंपिक खेलों में भाग लेना ही बहुत बड़ी बात है। तब तो पदक जीतने वाला खिलाड़ी विशेष ही होता है। भारत में जहां अभी खेल सरकार की प्राथमिकताओं में नहीं है, वहां पर खिलाड़ी को अपने खेल जीवन के शुरुआती दौर में विभिन्न कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है। बात जब खेलों में बहुत पिछड़े राज्य हिमाचल से हो और ऐसे में कोई विश्व स्तर पर जाकर ओलंपिक में पदक जीतता है, तो उस महामानव को सलाम करना बनता ही है। ओलंपिक दुनिया का सबसे बड़ा खेल आयोजन है। चार वर्षों बाद आयोजित होने वाले महाकुंभ का नजारा ही अलग होता है। अब समर ओलंपिक खत्म होने के बाद पैरा एथलीटों के लिए भी ओलंपिक खेल आयोजित हो रहे हैं। आजकल पेरिस में पैरा ओलंपिक चल रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के जिला ऊना के उपमंडल अंब के बड़ुआं गांव के निषाद कुमार ने ऊंची कूद की टी-47 स्पर्धा में देश के लिए ओलंपिक में दूसरी बार 2.04 मीटर ऊंची कुदान लगा कर रजत पदक जीता है। इससे पहले इसी स्पर्धा में निषाद टोक्यो ओलंपिक 2021 में देश के लिए रजत पदक जीत चुका है। 3 अक्टूबर 1999 को पिता रछपाल सिंह व माता पुष्पा देवी के घर जन्मे निषाद कुमार का छह वर्ष की आयु में घास काटने की मशीन से उसका दायां बाजू कट जाने के बाद किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि आगे भविष्य में यह बालक दो ओलंपिक में लगातार पदक जीतेगा।

माता पुष्पा देवी, जो अपने समय की वॉलीबाल खिलाड़ी व चक्का प्रक्षेपक रही थी, उसने हिम्मत नहीं हारी और अपने बेटे का भविष्य खेल में तलाशा। निषाद ने गांव के विद्यालय में पढ़ते समय ही ऊंची कूद में लंबी उड़ान की सोच ली थी। पूरे हिमाचल का अपनी स्पर्धा में चैंपियन बनने के बाद जब देखा हिमाचल में ऊंची कूद के लिए न तो आधारभूत सुविधा थी और न ही प्रशिक्षक। ऐसे में प्रदेश से पलायन करने को मजबूर होना पड़ा। पहाड़ की संतानों को अभी तक न तो सही परिचय ही मिलता है और न ही प्रश्रय। पलायन में शहर दर शहर भटकना पड़ता है। पहले पंचकूला और फिर किसी की सलाह पर बंगलौर का रुख किया और वहां पैरा एथलेटिक्स महासंघ के सचिव सत्यनारायण की देखरेख में प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया और फिर ओलंपिक के पदक को चूमा। निषाद ने 2013 में पटियाला में आयोजित स्कूल नेशनल में रजत पदक जीत कर भविष्य के विजेता होने का संकेत तो दे दिया, मगर पैरा नेशनल में पदक के लिए 2017 पंचकूला आयोजन का इंतजार करना पड़ा। इस नेशनल में निषाद ने 1.83 मीटर कूद कर पहला रजत पदक जीता था। 2019 दुबई में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ऊंची कूद की टी-47 स्पर्धा में रजत पदक जीतकर टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। 2021 दुबई में हुई विश्व पैरा ग्रांप्री में स्वर्ण पदक जीता था। टोक्यो ओलंपिक में निषाद ने भारत के लिए टी-47 स्पर्धा में रजत पदक जीत कर हिमाचल से पहला पैरा ओलंपिक पदक विजेता बन गया। डीएवी चंडीगढ़ व जालंधर की लवली यूनिवर्सिटी से अपनी पढ़ाई करने वाले इस हाई जंपर ने 2023 पेरिस व 2024 कोवे में आयोजित पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में देश के लिए पदक जीते हैं। 2022 एशिया पैरा खेल, जो चीन के शहर हांगजों में हुए थे, उसमें भी टी-47 स्पर्धा में 2.06 मीटर ऊंचा कूद कर देश के लिए रजत पदक जीता है।

टोक्यो ओलंपिक में निषाद ने भारत के लिए टी-47 स्पर्धा में रजत पदक जीत कर हिमाचल से पहला पैरा ओलंपिक पदक विजेता बन गया। डीएवी चंडीगढ़ व जालंधर की लवली यूनिवर्सिटी से अपनी पढ़ाई करने वाले इस हाई जंपर ने 2023 पेरिस व 2024 कोवे में आयोजित पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में देश के लिए पदक जीते हैं। 2022 एशिया पैरा खेल, जो चीन के शहर हांगजों में हुए थे, उसमें भी टी-47 स्पर्धा में 2.06 मीटर ऊंचा कूद कर देश के लिए रजत पदक जीता है। निषाद कुमार का एथलेटिक्स सफर हर किसी के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

निषाद कुमार का एथलेटिक्स सफर हर किसी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। जहां अभी तक अभिभावक अपने बच्चों का भविष्य पढ़ाई में देखते हैं, निषाद के माता-पिता ने उसका भविष्य खेल, वह भी ऊंची कूद में देखा, जिस स्पर्धा में हिमाचल प्रदेश का कोई इतिहास ही नहीं था। यह अलग बात है कि निषाद ने तो अब स्वर्णिम इतिहास रच दिया है जिस पर हिमाचल ही नहीं, अपितु पूरा देश गर्व कर सकता है। हिमाचल सरकार को भी चाहिए कि वह निषाद कुमार को सम्मानजनक नौकरी व घोषित नगद ईनाम जल्द से जल्द देकर खिलाड़ी का सम्मान करे। जहां तक देश में खेल ढांचे का प्रश्न है, भारत को अभी खेलों के लिए पर्याप्त सुविधाएं जुटानी हैं। हिमाचल में आधारभूत खेल ढांचा तो उपलब्ध है, पर उसके विस्तार की जरूरत है। खेल ढांचे के लिहाज से हरियाणा को हिमाचल से काफी आगे समझा जाता है। अगर हिमाचल में भी हरियाणा की तरह की खेल सुविधाएं खिलाडियों को मिल जाएं, तो यहां की प्रतिभाएं भी कमाल दिखा सकती हैं। हिमाचल में प्रदेश सरकार को पर्याप्त संख्या में खेल प्रशिक्षक भी नियुक्त करने हैं। उच्च कोटि के खिलाड़ी बिना प्रशिक्षकों के ईजाद नहीं किए जा सकते। प्रदेश सरकार को चाहिए कि वह पूर्व खिलाडियों को अनुबंध के आधार पर पांच-पांच साल के लिए नियुक्त करे। अगर उनका प्रदर्शन अच्छा रहता है, तो इस अनुबंध को आगे भी बढ़ाया जा सकता है। जरूरत इस बात की भी है कि हिमाचल में जो खेल मैदान उपलब्ध हैं, उनका ठीक ढंग से रखरखाव हो और ऐसे मैदानों का प्रयोग मात्र खेल गतिविधियों के लिए ही हो। हिमाचल में कुछ खेल मैदानों का प्रयोग फिलहाल सैर-सपाटे के लिए भी किया जा रहा है, ऐसी गतिविधियां बंद की जानी चाहिए और उपलब्ध खेल ढांचे का पर्याप्त रखरखाव तथा सदुपयोग होना चाहिए। जो खेल प्रशिक्षक अपने स्तर पर प्रशिक्षण गतिविधियां चला रहे हैं, उनको प्रोत्साहित करने के लिए भी प्रदेश सरकार को कुछ करना चाहिए। पदक जीतने वाले खिलाडियों को पुरस्कार और सरकारी नौकरी का आबंटन भी जल्द हो।

-भूपिंद्र सिंह
अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रशिक्षक

राशिफल

भाद्रपद शुक्ल पक्ष : चतुर्थी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
प्रेम संतान का भी भरपूर सहयोग है। व्यापारिक दृष्टिकोण से भी अच्छा समय कहा जाएगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
ऊर्जा का स्तर उतार-चढ़ाव में रहेगा। प्रेम संतान का भरपूर साथ होगा। व्यापार बहुत अच्छा होगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। बहुत सारे तरह के लोग इस समय आपको परेशान करने की कोशिश कर रहे हैं।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य थोड़ा बुझा-बुझा सा बना है। बाकी स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार बहुत अच्छा आपका दिख रहा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
स्वास्थ्य साथ दे रहा है। कानूनी पछड़े सुधर रहे हैं। पिता के स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान दें। प्रेम, संतान का भरपूर सहयोग।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। भाग्यवश काम बनेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार बहुत अच्छा दिख रहा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं थोड़ा सा। बचकर पार करें। स्वास्थ्य मध्यम है। प्रेम संतान ठीक-ठाक। व्यापार भी ठीक है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
प्रेम संतान का भरपूर सहयोग है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान दीजिए। बाकी हर दृष्टि से सुखद समय।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
शत्रुओं पर विजय पाएंगे। गुण, ज्ञान की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य थोड़ा नरम गरम रहेगा। प्रेम संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
दिमागी तौर पर थोड़ा बटे-बटे से रहेंगे। बच्चों की सेहत को लेकर मन परेशान रहेगा। प्रेम में तू तू मैं मैं के संकेत हैं।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी संभव है। घर में कुछ उत्सव हो सकता है जमावड़ा लगा हुआ है घर में आपके।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
व्यापार के नए-नए ऑप्शन आएंगे, कंफ्यूज मत होइए। एक-दो दिन रुक जाइए। स्वतः क्लियर हो जाएगा क्या करना है।

NPCL के खिलाफ महा पंचायत 19 सितम्बर को

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान एकता संघ संगठन के कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय किसानों की 12 सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान व प्रदेश अध्यक्ष पंडित प्रमोद शर्मा व जिलाध्यक्ष पप्पे नागर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा विक्रम नागर के नेतृत्व ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब में वार्ता कर क्षेत्रीय किसानों की 12 सूत्रीय मांगो को लेकर 19 सितम्बर को महापंचायत करने की घोषणा की ।

इस मौके पर प्रदेश महासचिव सतीश कनारसी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में बिजली के मीटर उतरे जाए और बिल पहले की तरह फिक्स किया जाए किसानों को सिंचाई के लिए बिजली मुफ्त दी जाए मीटर हटाए जाए,ग्रामीण क्षेत्र में लगे लोहे के पोलो को बदलकर पत्थर के पोल लगाए जाए जिससे ग्रामीण क्षेत्र में हो रही दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके, डूब क्षेत्र में जितनी भी कालोनी है सभी को कनेक्शन व बिजली आपूर्ति दी जाए,सभी धार्मिक स्थलों पर फ्री कनेक्शन देकर बिजली फ्री दी जाए,किसानों को अस्थाई कनेक्शन 6माह के लिए 6 हजार रूपये में दिया जाए,किसानों पर दर्ज फर्जी बिजली चोरी के मुकदमे तत्काल प्रभाव से खत्म किए जाए,UPPCL के गावों को NPCL में जोड़ा जा रहा है जिसका किसान एकता संघ विरोध करता है उन्हे PPCL में ही रहने दिया जाए।सभी 12 सूत्रीय मांगों का निस्तारण जल्द से जल्द किया जाए।

इस दौरान जिला प्रभारी प्रिन्स शर्मा ने कहा कि क्षेत्रीय किसानों के साथ NPCL द्वारा किए जा रहे अत्याचारों को संगठन बिलकुल भी बर्दास्त नही किया जायेगा।

इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष शेरू प्रधान ने बताया कि अगर 20 दिनों में 12 सूत्रीय मांगो का निस्तारण NPCL द्वारा नही किया गया तो आगामी 19 सितम्बर को किसान एकता संघ क्षेत्रीय किसानों के साथ NPCL के तुगलपुर ऑफिस पर महापंचायत करेंगे।

इस दौरान सतीश कनारसी, विक्रम नागर, प्रमोद शर्मा, प्रिन्स शर्मा, शेरू प्रधान, विक्रम नागर, पप्पे नागर, रमेश कसाना, जगदीश शर्मा, जयप्रकाश नागर एडवोकेट आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

टायर शॉप पर सीएट ब्रांडेड आउटलेट (सीएट शॉपी) का शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-5 स्थित टायर शॉप इंडिया प्राईवेट लिमिटेड कंपनी पर सीएट ब्रांडेड आउटलेट (सीएट शॉपी) का कोहली ने फीता काटकर शुभारंभ किया।

जबकि दीप प्रज्वलित टायर शॉप के निदेशक सुनील जैन और उनके दो बेटे मोहित जैन तथा रोहित जैन ने किया। साथ में सिएट कंपनी के हेड सेल्स नार्थ अंकुर अरोड़ा, जोनल सर्विस हेड तेजस्व मिश्रा, गाजियाबाद सेल्स हेड साकेत खेर एवं उनकी टीम मौजूद रही।

इस मौके पर सिएट कंपनी के जोनल सर्विस हेड तेजस्व मिश्रा ने इस टायर की विशेषता बताते हुए कहा कि सिएट कंपनी क्राफ्टेड फॉर क्यूरियेस पर फोकस करते हुए जरूरत के हिसाब से टायर का निर्माण करती है

जिसमें कैक्टस एलगोरिन्दम टेक्नोलॉजी, अल्ट्रा हाई परफॉर्मेंस ड्यूरेबलिटी,डवोवेदर यूजेज के साथ में अपनी तीनों टायर सिक्योरोड्राइव, क्राफ्ट ड्राइव और स्पोर्ट्स ड्राइव का इस्तेमाल कर बेहतर टायर का निर्माण करती है। उन्होंने बताया कि नोएडा में सीट शॉपी खुलने से कंपनी के द्वारा मिलने वाला आफ्टर सेल्स सर्विस की बेहतरीन होगी। इस मौके पर एनईए की तरफ से मुकेश ककक्ड, इरशाद अहमद, अजय अग्रवाल तथा मृणाल शर्मा, पारिन डगली, मिलिंद अग्रवाल, अशोक शर्मा उपस्थित रहे।

हिरोशिमा विवि के साथ जैव प्रौद्योगिकी पर शोध करेगा एमिटी

नोएडा (चेतना मंच)। जापान के हिरोशिमा विश्वविद्यालय के बायोडिजाइन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मासाकास्तु नौगुची ने एमिटी विश्वविद्यालय के नोएडा परिसर का दौरा किया। उनके दौरे का मुख्य उद्देश्य कैंसर अनुसंधान, जीनोम इंजीनियरिंग, सार्वजनिक स्वास्थ्य, न्यूरोस्पाइन और औषधि खोज एवं विकास के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं तलाशना था।

जापान के हिरोशिमा विश्वविद्यालय के बायोडिजाइन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मासाकास्तु नौगुची ने इस अवसर पर कहा कि हिरोशिमा विश्वविद्यालय की स्थापना 1874 में कला एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के रूप में की गई थी और आज इसमें 15000 से अधिक छात्र हैं। हम एमिटी विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना चाहते हैं ताकि जैव प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में नए शोध कार्य किए जा सकें। जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार को गति देने के लिए संगठनों और शोधकर्ताओं के साथ मिलकर काम करना महत्वपूर्ण है।

विश्व स्तर पर कैंसर रोगियों की तेजी से बढ़ती संख्या पर प्रकाश डालते हुए, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मॉलिक्यूलर मेडिसिन एंड स्टेम सेल रिसर्च के अध्यक्ष डॉ. बीसी दास ने कहा कि एमिटी कैंसर अनुसंधान और दवा खोज के क्षेत्र में कुछ बेहतरीन शोध कर रहा है। इस अवसर पर विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के डीन (ट्रांसलेशनल रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट) डॉ. बी. के. मूर्ति, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइकोलॉजी एंड न्यूरोसाइंसेज के निदेशक डॉ. बी. एन. मलिक और विभिन्न संस्थानों के निदेशक भी मौजूद थे।

रजिस्ट्री की अनुमति ही काफी नहीं, खरीदारों के नाम रजिस्ट्री भी कराएं : एसीईओ

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने खरीदारों के नाम फ्लैटों की रजिस्ट्री न करने वाले बिल्डरों को सख्त चेतावनी दी है कि अगर 15 दिन में फ्लैटों की रजिस्ट्री शुरू नहीं कराई तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों के आधार पर जारी शासनादेश से छूट पाने वाले जिन बिल्डरों ने अब तक कुल बकाया धनराशि का 25 प्रतिशत जमा नहीं किया है, उन बिल्डरों को आवंटित भूखंडों का आवंटन रद्द करने और उनका प्रकरण आर्थिक अपराध शाखा को रेफर करने के निर्देश दिए।

दरअसल, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि फ्लैट खरीदारों के नाम रजिस्ट्री की प्रक्रिया तेजी से संपन्न कराई जाए। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने बिल्डर विभाग को बिल्डरों के साथ बैठक कर फ्लैट खरीदारों के नाम रजिस्ट्री के लिए जोर देने और लापरवाही करने वाले बिल्डरों के आवंटन रद्द करने के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने शुक्रवार को बिल्डरों के साथ बिल्डर प्रोजेक्टवार बैठक की गई। एसीईओ ने बताया कि अमिताभ कांत समिति की सिफारिश के आधार पर विगत साल 21 दिसंबर को शासनादेश जारी किया गया। इस शासनादेश का लाभ लेते हुए कुल 98 परियोजनाओं में से 13 बिल्डरों ने कुल बकाया धनराशि जमा करा दी और 58 बिल्डरों ने 25 प्रतिशत धनराशि (लगभग 505 करोड़) जमा करा दी है। इस तरह कुल 71 बिल्डरों ने इस नीति का लाभ उठाया। इन 71 प्रोजेक्ट में 9558 फ्लैटों की रजिस्ट्री के लिए प्राधिकरण से अनुमति प्रदान की गई। जिसमें से 5 सितंबर तक 6624 फ्लैटों की रजिस्ट्री हो चुकी है। इन बिल्डरों के साथ बैठक में एसीईओ ने शेष बचे फ्लैटों की रजिस्ट्री को शीघ्र संपन्न करने के निर्देश दिए हैं। रजिस्ट्री की अनुमति से 6 माह तक बिना विलंब शुल्क के रजिस्ट्री कराई जा सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए एसीईओ ने बिल्डरों से आज की बैठक में इस छह माह में ही खरीदारों के नाम फ्लैटों की रजिस्ट्री कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा जिन बिलरों ने अभी तक 25 प्रतिशत धनराशि जमा नहीं कराई है। उनके भूखंडों का आवंटन निरस्त कर उसे कब्जे में लेने के निर्देश दिए। साथ ही इन परियोजनाओं की जांच आर्थिक अपराध शाखा को रेफर करने और सरकार से फॉरेंसिक ऑडिट कराने की संस्तुति लेने के भी निर्देश दिए।

पृष्ठ एक के शेष....

कसम खाकर कहता हूं....

मैंने पहले ही कहा है कि उचित समय आने पर यह दर्जा देंगे, जो चीज हम पहले ही दे चुके हैं, उसे यह मांग रहे हैं। हम पहले ही कह चुके हैं चुनाव के बाद उचित समय पर जम्मू कश्मीर को राज्य बनाएंगे।

जब तक शांति नहीं होगी पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। कांग्रेस का परिवार, अब्दुल्ला परिवार और मुफ्ती परिवार यह तीनों परिवार लूटा है। कहते हैं कि हम पहले जैसी व्यवस्था लाएंगे। क्या आपलोग सहमत हैं?

गृह मंत्री ने कहा कि अगली सरकार किसकी बनेगी यह जम्मू वाले तय करेंगे। हमें घर जाकर उनके विभाजनकारी एजेंडा के खिलाफ लोगों को जागरूक करना है। मैं सबसे ज्यादा भरोसा मीडिया पर नहीं, बल्कि आप लोगों पर करता हूं।

राहुल बाबा, मैं बाबा मन्हास के मंदिर की कसम खाकर कहता हूं कि हम आपको 370 वापस नहीं लाने देंगे। आपको गुज्जर बकरवाल और दलित भाइयों की रिजर्वेशन को समाप्त नहीं करने देंगे।

अमित शाह ने कहा कि 70 साल तक हम अपने अधिकार के लिए बाबा अमरनाथ की यात्रा के लिए लड़ते थे। अब न हमें मांगने की जरूरत है न आंदोलन करने की जरूरत है। जो आपके मन में है वह मोदी जी आपको सीधे दे रहे हैं। हमारे कार्यकर्ता घर जाएं और मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने का काम करें।

मुठभेड़ में 25 हजार ....

और वैन अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। वैन में सवार दो बदमाश वैन से उतरकर पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने लगे। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनों बदमाश घायल हो गए। घायल बदमाशों की पहचान टिंकू शर्मा (35) और अजीत (32) के रूप में हुई है। उनके अन्य साथी, राजू कश्यप और सलमान, मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश के लिए कांबिंग कि जा रही है।पुलिस ने घायल बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

उनके कब्जे से विभिन्न गाड़ियों से चुराई गई 7 बैटरी, 2 ईसीएम, 2 चोरी की इको वैन, 2 तमंचे, 2 खोखे और 4 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। टिंकू शर्मा और उसकी गैंग कई जगहों पर बैटरी और ईसीएम की चोरी की घटनाओं में लिप्त रहे हैं। टिंकू शर्मा पर पहले से ही थाना सेक्टर-126 से 25 हजार रूपये का ईनाम घोषित था।

मुठभेड़ में शामिल बदमाशों का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। टिंकू शर्मा और उसके साथियों के खिलाफ विभिन्न थानों में कई मामले दर्ज हैं। टिंकू शर्मा के खिलाफ धारा 379, 411, 414, 482 के तहत कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिसमें दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के थाने शामिल हैं। अजीत के खिलाफ भी धारा 308/34 भादवि के तहत मामला दर्ज है। इन अपराधियों के खिलाफ चल रहे अन्य मामलों की भी जांच की जा रही है। फरार बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस का तलाशी अभियान जारी है।

नंबर कम आने पर....

एसीपी के नेतृत्व में 5 टीमें गठित की गई थीं। पुलिस ने बताया कि यूटी टेस्ट में कक्षा-8 के छात्र अंकित चौरसिया तथा नैतिक ध्यानी के कम नंबर आए थे। परिजनों के भय से दोनों स्कूल से नदारद हो गए थे।

मालूम हो कि उत्तराखंड पब्लिक स्कूल से बृहस्पतिवार को 8वीं के दो छात्र संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए थे। परिजनों ने उन्हें काफी तलाशा। पता न लगने पर उन्होंने स्कूल प्रबंधन से शिकायत की। बाद में सेक्टर-58 थाने में परिजनों ने लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। आज पुलिस ने दोनों छात्रों को सकुशल बरामद कर लिया।

विदेश में मोटे पैकेज....

झांसे में लेने के बाद यह लोग पीड़ित से अपने अकाउंट में लाखों रुपए ट्रांसफर करा लेते थे। पुलिस ने इस गिरोह में शामिल पंकज कुमार, सोनू कुमार, राहुल सरोज, मनप्रीत कौर, प्रशंसा कुलश्रेष्ठ, दीपाली, महिमा अग्रवाल, ममता यादव व तनिष्का शर्मा को गिरफ्तार किया है।

ग्रेटर नोएडा में बारिश से ....

जारचा कोतवाली क्षेत्र के छौलस गांव में एक मकान गिर गया। जिस समय मकान गिरा उस वक्त परिवार के सात सदस्य घर में मौजूद थे। स्थानीय लोगों ने परिवार के लोगों को बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि हादसें में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भर्ती कराया गया है।

गांव वालों के अनुसार, जारचा गांव में पीड़ित शैफाली अपने परिवार के साथ रहते हैं और मजदूरी कर परिवार का पेट पालते हैं। शनिवार सुबह तेज बारिश होने के कारण वैशाली का गाटर पत्थर का मकान पर गिर गया। हादसे में आकर शैफाली, उसकी पत्नी, बुआ शकीला और शैफाली के चार बेटे दब गए। हादसें में शैफाली, उसकी बुआ शकीला और दो बेटे शान और आलीशान गंभीर रूप से घायल हो गए। फिलहाल सभी का इलाज दादरी के एक अस्पताल में चल रहा है।

गोल्डन बॉय प्रवीण कुमार ....

उनसे अलग दिल्ली में रहते हैं और नेहरू स्टेडियम में ट्रेनिंग करते है। वह फोन से ही प्रवीण का हाल-चाल ले लेते हैं प्रवीण की इस कामयाबी पर गांव का हर नागरिक खुश है और जश्न में डूबा हुआ है।

गोल्डन बाय प्रवीन कुमार की मां श्रीमती संतोष ने भी अपने बेटे की कामयाबी पर खुशी जताते हुए कहा कि उनकी इस कामयाबी से वह बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि प्रवीण मेरा बेटा बाद में पहले देश का बेटा है। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि वह ऐसे ही देश का नाम रोशन करते रहे। उन्होंने कहा कि मैंने प्रवीण से कहा था कि वह अपना कर्म करे, भगवान उसे फल देगा। प्रवीण की मां श्रीमती संतोष ने कहा कि वह देश व क्षेत्र का नाम इसी गौरव के साथ आगे बढ़ता रहे यही प्रार्थना वह ईश्वर से करती हैं।

प्रवीण कुमार का पैरा एथलीट बनने का सफर चुनौतियों भरा रहा है, वे अपनी शारीरिक विकलांगता के कारण हीन भावनाओं से जुझते रहे और इससे निपटने के लिए उन्होंने दोस्तों के साथ खेल में शामिल हुए, फिर जो खेलों के प्रति जुनून पैदा हुआ वह उन्हें ऊंचाइयों तक ले आया।

फेलिक्स हॉस्पिटल ने किया चौहान संजीवनी हॉस्पिटल का टेक ओवर

नोएडा (चेतना मंच)। फेलिक्स हॉस्पिटल, जो अपनी उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाओं के लिए जाना जाता है, ने चौहान संजीवनी अस्पताल का आधिकारिक रूप से टेक ओवर कर लिया है। इस टेक ओवर के बाद फेलिक्स हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. डी.के. गुप्ता ने कहा की हम अपनी चिकित्सा सेवाओं का विस्तार करते हुए स्थानीय समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने और अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

फेलिक्स अस्पताल नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा में अब कुल मिलकर 800 बेड्स लाने वाला है । फेलिक्स ने नोएडा में जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधायें पहुँचाने के उद्देश्य से नोएडा के अनेक सेक्टर्स में अस्पताल, पॉलिक्लिनिक एवं मेडिकल रूम स्थापित किये है 7 जिसमें नोएडा के सेक्टर 137, 135, 100, 143 ,150 144, 168, दिल्ली का न्यू अशोक नगर एवं ग्रेटर नोएडा शामिल है।

फेलिक्स हॉस्पिटल की मेनेजिंग डायरेक्टर डॉ. रश्मि गुप्ता ने बताया कि चौहान संजीवनी अस्पताल, जो कई वर्षों से ग्रेटर नोएडा के स्थानीय लोगों की चिकित्सा जरूरतों को पूरा कर रहा है, अब फेलिक्स हॉस्पिटल के प्रबंधन के अधीन संचालित होगा। हम चौहान संजीवनी अस्पताल को अपने परिवार में शामिल करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि हम इस अस्पताल के माध्यम से अपने चिकित्सा सेवाओं के स्तर को और ऊंचा उठाएंगे और ग्रेटर नोएडा के लोगों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करें।

इस टेक ओवर के साथ ही फेलिक्स हॉस्पिटल ने घोषणा की है कि वे चौहान संजीवनी अस्पताल में नई सुविधाओं और सेवाओं का विस्तार करेंगे, जिसमें 24×7 आपातकालीन सेवाएं, विशेष चिकित्सा क्लिनिक और अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक के साथ -2 हृदय रोग, नेफ्रोलॉजी, गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी, और ऑन्कोलॉजी जैसी विशेषताएं शामिल होंगी।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक, यांत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिये आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **ई-निविदा सूचना सं0 एवं निविदा कार्य का विवरणः** टेण्डर नं.-"01-जीकेपी-एमडब्लूएस-2024-25-1" "एमसी ऑफ नॉर-ब्रेम्से मेक फिटेड एक्सल माउन्टेड डिस्क ब्रेक सिस्टम (एएमडीबीएस) इन एलएचबी कोचेस फॉर 1 ईयरस् एट मैकेनिकल वर्कशाप, गोरखपुर"। **अनुमानित लागत** (रमें): ₹ 17,87,28,575.00, **धरोहर राशि** (₹ में): ₹ 10,43,700.00, **निविदा समापन की तिथि एवं अवधिः** 30.09.2024 11.00 बजे, **निविदा प्रपत्र का मूल्यः** शून्य, **संविदा की अवधिः** 12 माह, **नोटः** उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट संख्या http://www.ireps.gov.in पर देखें।
उपमुर्याइ/कार्य, यांत्रिक कारखाना
मुजाधि/यांत्रिक-57 गोरखपुर
"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

टमाटर के बाद प्याज की बढ़ती कीमतों पर लगाम

नई दिल्ली, एजेंसी। टमाटर के बाद अब प्याज की बढ़ती कीमतों से राहत देने के लिए सरकार ने रियायती दरों पर प्याज की बिक्री शुरू कर दी है। गुरुवार से इस मुहिम की शुरुआत हुई, जिसमें लोगों को सिर्फ 35 रुपए प्रति किलो की दर से प्याज खरीदने का मौका मिल रहा है। दिल्ली-

एनसीआर और मुंबई में रियायती प्याज की बिक्री केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इस पहल का शुभारंभ किया, जिसके तहत दिल्ली-एनसीआर और मुंबई के लोगों को सस्ते प्याज मिल रहे हैं। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में कृषि भवन, राजीव चौक मेट्रो स्टेशन, पटेल चौक मेट्रो स्टेशन और नोएडा के कुछ हिस्सों समेत 38 स्थानों पर प्याज की बिक्री हो रही है।

सैमसंग 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' 2024 ने ग्रैण्ड फिनाले के लिये 10 फाइनलिस्ट टीमों की घोषणा की

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग इंडिया ने आज अपने प्रमुख सीएसआर प्रोग्राम 'सॉल्व फॉर टुमॉरो 2024' की टॉप 10 टीमों की घोषणा की है। ये टीमें अब ग्रैंड फिनाले में अपने अनूठे आइडियाज को सैमसंग और उद्योग के प्रमुख लीडर्स की जूरी के सामने पेश करेंगी। इन टीमों का चयन देश के दूर-दराज के इलाकों से हुआ है, जैसे असम के गोलाघाट और कामरूप, राजस्थान के झालावाड़, कर्नाटक के उडुपी और छत्तीसगढ़ के बिलासपुर। इससे इस प्रोग्राम की व्यापक क्षेत्रीय पहुँच का पता चलता है। ये फाइनलिस्ट्स एक कड़ी चयन प्रक्रिया से गुजरे, जिसमें सैमसंग जूरी के सामने कई राउंड्स में पिच प्रेजेंटेशन देना और सैमसंग फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एण्ड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों से मार्गदर्शन पाना शामिल था। इन 20 टीमों को प्रोटोटाइप बनाने के लिए हर टीम को 20,000 रुपये का अनुदान दिया गया। इसके अलावा, यूथ ट्रैक की टीमों को सैमसंग गैलेक्सी लैपटॉप्स और स्कूल ट्रैक की टीमों को गैलेक्सी टैब्स मिले। एफआईटीटी, आईआईटी दिल्ली के प्रबंध निदेशक डॉ. निखिल अग्रवाल ने कहा, इन बच्चों ने जो इनोवेशन और रचनात्मकता दिखाई है, वह वाकई प्रेरणादायक है।

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज की गईं भारतीय खिलाड़ियों की अद्भुत उपलब्धियां

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत ने 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया है, ऐसे में हमने लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के उन असाधारण उपलब्धियों पर रौशनी डाली है जोकि भारत की खेल परंपरा को परिभाषित करते हैं। एक ऐसे राष्ट्र के रूप में, जो हर जीत का जश्न एक उत्सव की तरह मनाता है, हम अपने खिलाड़ियों के उस वैभव को प्रदर्शित कर रहे हैं जिन्होंने धीरे-धीरे आगे बढ़कर एक दिन इतिहास रच दिया। नए वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने से लेकर पीढ़ियों को प्रेरित करने तक, भारतीय खिलाड़ियों ने भारत की पहली रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने के लिए उत्कृष्टता की सीमाओं को लांघा है। यह लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स का 33वां संस्करण है। यह इन बेहतरीन उपलब्धियों का जश्न मनाती है, खेलों को लेकर हमारे देश के जुनून की भावना को कैद करती है और लाखों पाठकों के मन में दृढ़ संकल्प की लौ जलाती है। नए एडिशन के बारे में जानने के लिए हमारे साथ शामिल हों और खेल उत्कृष्टता की एक झलक प्राप्त कीजिए, इसमें खिलाड़ियों के उस जोश को दिखाया गया है जोकि वाकई में भारत को टैलेंट का पावरहाउस बनाता है। एशियन फेंसिंग चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय फेंसर - सी.ए. भवानी देवी एशियन फेंसिंग चैंपियनशिप में मेडल जीतन

दुनिया में एक्सपोर्ट के मामले में चीन पहले नंबर पर है

उसके बाद अमेरिका दूसरे और जर्मनी तीसरे नंबर पर

भारत एक्सपोर्ट के मामले में कई देशों से पीछे है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है। माना जा रहा है कि जल्दी ही यह जर्मनी और जापान को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बन जाएगी। लेकिन एक्सपोर्ट के मामले में अभी अमेरिका, चीन और जर्मनी के मुकाबले भारत बहुत पीछे है। अगर जी-20 की बात करें तो इसमें शामिल देशों के टॉप एक्सपोर्ट मार्केट में भारत का नाम नहीं है। जी-20 में 19 देश शामिल हैं। इनमें भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, इंडोनेशिया, रूस, साउथ कोरिया, सऊदी अरब, साउथ अफ्रीका, मेक्सिको, कनाडा, जापान, चीन, जर्मनी, यूके, फ्रांस, इटली, तुर्की, अमेरिका और अर्जेंटीना शामिल हैं।

जी-20 एक इंटरगवर्नमेंटल फोरम है। यह ग्लोबल इकॉनमी से जुड़े जैसे बड़े मुद्दों पर काम करता है। इसकी स्थापना 1999 में एशियन फाइनेंशियल क्राइसिस के बाद हुई थी। इसके एजेंडे में व्यापार, सतत विकास, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और एंटी-करप्शन शामिल है। अगर इन देशों के सबसे बड़े एक्सपोर्ट मार्केट को देखें तो चीन और अमेरिका 7-7 के साथ टाई पर हैं। तीन देशों का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट जर्मनी है जबकि एक देश सबसे ज्यादा निर्यात ब्राजील को करता है। अमेरिका का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट कनाडा है।

टॉप एक्सपोर्ट मार्केट

ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, इंडोनेशिया, रूस, साउथ कोरिया, सऊदी अरब और साउथ अफ्रीका के लिए सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट चीन है। मेक्सिको, कनाडा, जापान, भारत, चीन, जर्मनी और यूके के लिए सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट अमेरिका है। यानी ये देश अमेरिका को सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट करते हैं। फ्रांस, इटली और तुर्की के लिए सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट जर्मनी है। इसी तरह अमेरिका सबसे ज्यादा माल कनाडा को एक्सपोर्ट करता है। अर्जेंटीना के लिए सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट ब्राजील है।

प्री-डायबिटीज को नियंत्रित करने के लिए पौष्टिकता से जुड़ी गाइड: डॉ. रोहिणी

भोपाल। द लैंसेट में डायबिटीज एंड एंडोक्राइनोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार भारत में 13.6 करोड़ या आबादी का 15.3 प्रतिशत हिस्सा प्री-डायबिटीज के साथ जी रहा है। 2017 से लेकर अब तक इसमें काफी ज्यादा वृद्धि हुई है, जब आबादी का लगभग 6-15 प्रतिशत प्रीडायबिटिक था। भारत में प्री-डायबिटीज के बढ़ते मामलों के साथ, अपनी सेहत का ख्याल रखने के लिए सक्रिय कदम उठाना बेहद जरूरी है। स्वच्छ, समझदारी भरा भोजन, ब्लड शुगर के स्तर को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है और ये प्री-डायबिटीज को पलट भी सकता है। ब्लड शुगर डायबिटीज में बदले, इससे पहले ही इसे नियंत्रित करने के लिए डॉ. रोहिणी पाटिल, एमबीबीएस और आहार विशेषज्ञ ने अपने भोजन में कुछ जरूरी खाद्य पदार्थों को शामिल करना महत्वपूर्ण बताया है। अपने खानपान में बदलावों के अलावा, उन्होंने सक्रिय जीवनशैली अपनाने, अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड से बचने और खाने के बाद टहलने जैसी नियमित शारीरिक गतिविधियों को करने की भी सलाह दी। पिछले वर्ष डॉ. अनूप मिश्रा और डॉ. सीमा गुलाटी के प्रकाशित दो नए अध्ययनों में बताया गया कि अपने आहार में केवल बादाम को शामिल कर लेने से डायबिटीज का बोझ कम करने में मदद मिल सकती है।

सैमसंग ने भारत में 4के अपस्केलिंग एयरस्लिम डिजाइन और नॉक्स सिक्योरिटी के साथ 2024 क्रिस्टल 4के डायनैमिक टीवी लॉन्च किया

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज 41990 रुपये की शुरुआती कीमत पर क्रिस्टल 4के डायनैमिक टीवी लॉन्च किया। यह प्रीमियम टेलीविजन सीरीज दर्शकों के अनुभव नई ऊंचाई पर लेकर जाती है, जिससे उन्हें होम एंटरटेनमेंट के नए युग का आनंद लेने का मौका मिलता है।

2024 क्रिस्टल 4के डायनैमिक टीवी एडवांस्ड तकनीक के साथ आता है जिसमें 4के अपस्केलिंग, एयर स्लिम डिजाइन, डायनैमिक क्रिस्टल कलर, मल्टी वॉयस असिस्टेंट, क्यू-सिम्फनी और क्रिस्टल प्रोसेसर 4के सहित जीवंत विजुअल प्रदान करने वाले फीचर्स शामिल हैं। नया 2024 क्रिस्टल 4के डायनैमिक टीवी क्रिस्टल प्रोसेसर 4के और उत्कृष्ट 4के अपस्केलिंग फीचर्स से संचालित है जो तस्वीर की गुणवत्ता को लगभग 4के डिस्प्ले की तरह बनाता है। इसकी डायनैमिक क्रिस्टल कलर तकनीक रंगों की जीवंत विविधता प्रदान करती है, जिससे उपभोक्ताओं को प्रत्येक शेड का सूक्ष्म विवरण देखने में मदद मिलती है। एचडीआर फीचर देखे जाने वाले कंटेंट के लाइट लेवल को बढ़ाता है, जबकि कंट्रास्ट एन्हांसर फीचर यह सुनिश्चित करता है कि यह अधिक नैचुरल दिखाई दे और बढ़े हुए कंट्रास्ट के साथ अविश्वसनीय रूप से हर बारीकी नजर आये। टीवी का इनबिल्ट मल्टी वॉयस असिस्टेंट उपभोक्ताओं को बिक्सबी या अमेज़न एलेक्सा का इस्तेमाल करते हुए कनेक्टेड होम अनुभव का आनंद उठाने का मौका देता है।

आईआईटी मद्रास ने 'स्ट्रैटेजिक लीडरशिप और पब्लिक पॉलिसी' में एक्जीक्युटिव एमबीए शुरू करने के लिए नेशनल डिफेंस कॉलेज से साझेदारी की

साल में 120 उम्मीदवार कर पाएंगे यह एमबीए, जो भारतीय सशस्त्र बलों, भारतीय सिविल सेवाओं, भारतीय पुलिस सेवाओं और अन्य सरकारी सेवाओं के अलावा मित्र देशों के अधिकारियों से चुने जाएंगे।

चेन्नई, एजेंसी। आईआईटी मद्रास ने 'स्ट्रैटेजिक लीडरशिप और पब्लिक पॉलिसी' में एक्जीक्युटिव एमबीए शुरू करने के लिए नेशनल डिफेंस कॉलेज से साझेदारी की। नेशनल डिफेंस कॉलेज (एनडीसी) नई दिल्ली में है जो अंतर-सेवा प्रशिक्षण का शीर्षस्थ संस्थान है।

यह एक वर्ष का यूजर-फ्रेंडली प्रोग्राम है। इस 48 सप्ताह में लेक्चर पर आधारित कोर्स और एक थीसिस सहित प्रैक्टिकल मॉड्यूल होंगे।

प्रोग्राम का उद्देश्य भारत के सशस्त्र बलों और मित्र देशों के चुने हुए ऐसे वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ भारत सरकार की लोक सेवाओं (आईएएस, आईपीएस, आईआरएस, डीआरडीओ आदि) के योग्य उम्मीदवारों का बौद्धिक विकास और रणनीतिक संस्कृतिकरण करना है ताकि वे नेतृत्व के उच्च पदों के लिए बेहतर तैयार हों।

इस प्रोग्राम के एमओयू पर 27 अगस्त 2024 को नई दिल्ली में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के प्रबंधन अध्ययन विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख प्रोफेसर एम. तेनमोझी और राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के सचिव ब्रिगेडियर राजेश रमन ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि और रक्षा मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव श्रीमती दीप्ति मोहिल चावला की भी उपस्थिति रही।

यूनिसोक ने 5जी अनुभव को सभी के लिए सुलभ बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 की दूसरी तिमाही के दौरान भारत में कुल स्मार्टफोन शिपमेंट में 5जी स्मार्टफोन की हिस्सेदारी 77 प्रतिशत तक पहुंच गई है। हालांकि, 100 मिलियन 5जी सब्सक्राइबर को पार करने के मील के पत्थर के बावजूद, प्रवेश दर सिर्फ 11 प्रतिशत पर बनी हुई है, जो 5जी सेगमेंट में महत्वपूर्ण विकास क्षमता को उजागर करती है। उच्च गुणवत्ता और निर्बाध 5जी अनुभव प्रदान करने में प्रोसेसर महत्वपूर्ण है। यूनिसोक मिड-रेंज और एंट्री-लेवल 5जी स्मार्टफोन श्रेणियों में अपनी पहचान बना रहा है, जिसकी कीमत 300 डॉलर से कम है। एक अग्रणी फैबलेस सेमीकंडक्टर कंपनी के रूप में, यूनिसोक ने 2023 में वैश्विक स्मार्टफोन एपी/एसओसी चिप शिपमेंट में 12 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया। यूनिसोक के चिपसेट शाओमी, वीवो, सैमसंग और ओप्पो जैसे प्रमुख ब्रांडों के उपकरणों में शामिल हैं।

यूनिसोक अपने दूसरे पीढ़ी के प्लेटफ़ॉर्म के साथ अपनी 5जी तकनीक को आगे बढ़ा रहा है, जिसमें दस से ज्यादा चिप उत्पाद शामिल हैं। टी820 एक बेहतरीन मॉडल है, जो बेहतरीन प्रदर्शन, बेहतर सुरक्षा, लंबी बैटरी लाइफ और बेहतरीन कनेक्टिविटी के साथ-साथ प्रभावशाली इमेजिंग और डिस्प्ले क्षमताएँ प्रदान करता है। मुख्यधारा के उपयोगकर्ताओं के लिए, टी760 510,000 से ज्यादा का एंटूटू स्कोर प्रदान करता है और इसमें बेहतरीन मनोरंजन अनुभव के लिए यूनिसोक के एआई एल्गोरिदम हैं, जबकि टी750 प्रभावी प्रदर्शन के साथ व्यापक बाज़ार में काम आता है।

5जी चिप्स 50 से ज्यादा देशों के डिवाइस में मौजूद हैं, जिनका उत्पादन यूरोप, लैटिन अमेरिका, दक्षिण-पूर्व एशिया और दक्षिण एशिया जैसे प्रमुख बाज़ारों में किया जाता है। भारत में, हाल ही में लॉन्च किए गए टी750 के साथ लावा युवा 5जी और टी760 के साथ एचएमडी क्रेस्ट/एचएमडी क्रेस्ट मैक्स जैसे उत्पाद स्थानीय उपभोक्ताओं को उन्नत 5जी अनुभव प्रदान करते हैं।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने टी केयर की शुरुआत की

ग्राहकों के स्वामित्व अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक नई पहल

बेंगलोर, एजेंसी। असाधारण अनुभव प्रदान करके ग्राहकों की अपेक्षाओं से आगे निकलने के अपने निरंतर प्रयास में, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज टी केयर की शुरुआत की घोषणा की। यह एक अभिनव पहल है जिसका उद्देश्य अपने सम्मानित ग्राहकों को एक समग्रस्वामित्व अनुभव मुहैया कराना है। टी केयर एक ही ब्रांड के तहत कई तरह केमूल्य-वर्धित प्रस्ताव के समर्थन को एकीकृत करता है। इस तरह यह सुनिश्चितकरता है कि ग्राहक के साथ हर जुड़ाव टोयोटा के विश्वसनीयता, गुणवत्ता औरअसाधारण देखभाल के मूल मूल्यों को दर्शाता है।ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण से प्रेरित, टी केयर सेवाओं की एक व्यापक श्रृंखलाप्रदान करता है जो ग्राहक की खुशी को समृद्ध करने और दीर्घकालिक संबंधों कोबढ़ावा देने के लिए कंपनी के समर्पण को दर्शाता है। प्रीसेल से लेकरआफ्टरसेल और रीपर्चेज तक सब कुछ कवर करते हुए, टी केयर इन पेशकशों को एक एकीकृत ब्रांड के तहत एकीकृत करता है जिसमें कुछ नाम शामिल हैं, टी डिलीवर फ्लैटबेड ट्रक के माध्यम से नई कार की डिलीवरी के लिएअनूठी अंतिम मील लॉजिस्टिक्स लाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वाहन बिल्कुल नई स्थिति में अपने अंतिम टोयोटा टच पॉइंट तक पहुंचें। टी ग्लॉस ग्राहकों की कारों को हमेशा शीर्ष स्थिति में रखते हुए, एंड-टू-एंडकार डिटेलिंग सेवाएं प्रदान करता है। टी वेब टोयोटा वाहन खरीदने के लिए एक उपयोगकर्ता-अनुकूलऑनलाइन मंच प्रदान करता है, जो ग्राहकों के लिए सुविधाजनक होता है। टी सहायता 5 वर्षों तक 24/7 सड़क किनारे सहायता प्रदान करता है।इस तरह ग्राहकों को समय पर सहायता सुनिश्चित होती है। टी सिक्योर अतिरिक्त 2 वर्षों के लिए विस्तारित वारंटी के साथ मन कीशांति प्रदान करता है।टी स्माइल अनुकूलन योग्य, परेशानी मुक्त और लागत प्रभावी प्रीपेडरख-रखाव पैकेज प्रदान करता प्रदान करता है।

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने अपनी 1000वीं शाखा की शुरुआत की

विशेष कवर और माई स्टैम्प जारी करके उपलब्धि का जश्न मनाया

मुंबई, एजेंसी। भारत के गैर-बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र (एनबीएफसी) क्षेत्र की एक प्रमुख कंपनी एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कं. लि. ने वाशी, नवी मुंबई में अपनी 1000वीं शाखा खोलने की घोषणा की है। यह ऐतिहासिक घटना देश भर में अपने पदचिन्हों का विस्तार करने और कम पहुंच वाले बाजारों में वित्तीय सेवाएं लाने के प्रति कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को चिह्नित करने के लिए, एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने इंडिया पोस्ट के साथ मिलकर एक विशेष कवर और माई स्टैम्प जारी किया है। आधिकारिक अनावरण के अवसर पर मुंबई में जापान के महावाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत श्री यागी कोजी, महाराष्ट्र सर्किल में डाक सेवाओं (मुख्यालय) के निदेशक श्री अभिजीत बंसोडे और एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट के सीईओ और एमडी श्री शांतनु मित्रा उपस्थित थे।

1000वीं शाखा का शुभारंभ एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट के बड़े और विविध भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति को गहरा करने के नीतिगत दृष्टिकोण का प्रमाण है। 2007 में अपनी स्थापना के बाद से, कंपनी लगातार विकास करते हुए एक अखिल भारतीय संस्थान के रूप में विकसित हुई है जो अब 670 से अधिक शहरों और 70,000 गांवों में काम करती है, जिसे 23,000 से अधिक कर्मचारियों का सहयोग प्राप्त है।

पिछले दो वर्षों में, एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने लगभग 300 नई शाखाएं खोली हैं।

दर्शक से लेकर खलनायक बनने तक गौरव अरोड़ा का सफर

नई दिल्ली, एजेंसी। बुद्धिमान लोग कहते हैं कि आप अपना भाग्य खुद लिखते हैं और बहुप्रतीक्षित शो 'तनाव 2' में प्रमुख खलनायक की भूमिका निभा रहे गौरव अरोड़ा ने इस बात को सच साबित किया है। इस महत्वपूर्ण भूमिका तक गौरव का सफर उनकी प्रतिभा का सबूत ही नहीं देता है, बल्कि विश्वास और अपने सपनों के साकार होने की ताकत भी दिखाता है। जब उन्होंने समीक्षकों द्वारा सराही गई ओरिजिनल इज़राइली सीरीज 'फौदा' की गहराई और एनर्जी को पहली बार देखा तो उन्हें पता चला कि 'तनाव सीजन 1' में उसकी दमदार कहानी कैसे लाई गई है, तब उन्होंने अपने भीतर भी आग का अनुभव किया था। एक दर्शक के तौर पर वह बेहद रोमांचित हुए थे और फिर उन्होंने 'तनाव' में खुद की कल्पना की। उन्हें पता नहीं था कि यह कल्पना और गहरा लगाव आखिरकार उन्हें ऑफिशियल इंडियन रीमेक 'तनाव' के सीजन 2 में सबसे बड़े खलनायक की भूमिका तक पहुँचा देगा। अपने जुनून और कल्पना को सच्चाई में बदलने के बारे में बताते हुए, अरोड़ा ने कहा, ''तनाव' का पहला सीजन और ओरिजिनल सीरीज 'फौदा' देखने के बाद मैं पूरी तरह से हिल गया था। इन कहानियों, इनके किरदारों और कहानी की गति, सब कुछ बेहद आकर्षक था। मैंने यह शो देखकर खुद को उसकी दुनिया में पाया। मैं अक्सर कोई भूमिका निभाने और ऐसी दिलचस्प तथा जबर्दस्त सीरीज काहिस्सा बनने की कल्पना करता था। और एसके अडाप्टेशन का हिस्सा बनना मेरे लिये सपने के सच होने जैसा है।'' गौरव इसमें मीर साहब के बेटे फरीद ऊर्फ अल-दमिश्क की भूमिका निभा रहे हैं। उनका किरदार पेचीदा होने के साथ-साथ दमदार भी है।

हाई-टेक पाइप्स को इंडिया रेटिंग्स द्वारा आईएनडीए आउटलुक स्टेबल क्रेडिट रेटिंग दी गई

मुंबई, एजेंसी। हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड, भारत में लीडिंग स्टील ट्यूब्स और पाइप्स मैन्युफैक्चरर में से एक, गर्व से यह घोषणा करता है कि उसे लॉन्ग टर्म बैंक सुविधाओं के लिए आईएनडी, क्रेडिट रेटिंग और शॉर्ट टर्म बैंक सुविधाओं के लिए इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एसबीसी बैंक से संबंधित एक्सपोज़र आईएनडी.1 रेटिंग दी गई है। रेटिंग कार्रवाई के पीछे का तर्क इस प्रकार बताया गया- फाइनेंशियल ईयर 24 में मजबूत कंसोलिडेटेड रेवेन्यू और वॉल्यूम ग्रोथ- हाई-टेक पाइप्स का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू फाइनेंशियल ईयर 24 में 13 प्रतिशत सालाना बढ़कर 26,993 मिलियन रुपये (फाइनेंशियल ईयर 23-: अर्थात: 23,858 मिलियन रुपये) हो गया, जिससे इसकी नेट सेल्स की मात्रा 21 प्रतिशत बढ़कर 3,91,087 मीट्रिक टन हो गई। फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही में, कंपनी ने बताया कि सेल्स वॉल्यूम सालाना 45 प्रतिशत या 13 प्रतिशत तिमाही दर तिमाही बढ़कर 1,22,155 मेट्रिक टन (फाइनेंशियल ईयर 24 की चौथी तिमाही में 1,07,721मेट्रिक टन; फाइनेंशियल ईयर 24 की पहली तिमाही में 84,429 मेट्रिक टन) हो गई।

डाइवर्सफाइड प्रोडक्ट पोर्टफोलियो

कंपनी चार प्राइमरी सेगमेंट्स के माध्यम से काम करती है- स्टील ट्यूब्स और पाइप्स, गैल्वनाइज्ड और नालीदार चादरें (शीट्स), कोल्ड-रोल्ड प्रोडक्ट और कलरकोटेड शीट, जो विभिन्न क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करती हैं। वित्त वर्ष 24 में कंसोलिडेटेड रेवेन्यू का 24 प्रतिशत हिस्सा बनाने वाले टॉप 10 कस्टमर्स के साथ कंपनी का कस्टमर कंसंट्रेशन रिस्क कम है। यह जियोग्राफीकली डाइवर्सिफाइड है और पूरे भारत में इसका 500 से अधिक डीलर-डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क है। कंपनी के चार राज्यों में छह प्लांट हैं। क्रेडिट प्रोफाइल में सुधार- इंडिया रेटिंग्स को उम्मीद है कि मीडियम टर्म में हाई-टेक पाइप्स के फाइनेंशियल रिस्क प्रोफाइल में सुधार होगा, जो ऑपरेशंस से कैश फ्लो में संभावित सुधार और कंपनी द्वारा फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली छमाही तक किए गए ऋण रीपेमेंट से प्रेरित है।

सबालेंका यूएस ओपन के फाइनल में पहुंची

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दूसरी वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका ने यूएस ओपन टेनिस चैंपियनशिप की विमेंस सिंगल्स कैटेगरी के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। वहीं, इटली की सारा ईरानी और एड्रिया वावसारी की जोड़ी मिक्स्ड डबल्स कैटेगरी में चैंपियन बनी।

न्यूयॉर्क में शुक्रवार को बेलारूसी स्टार सबालेंका ने पहले सेमीफाइनल मुकाबले में अमेरिका की एमा नवारो को सीधे सेट में 6-3, 7-6 से हराया। उनका सामना रविवार को अमेरिका की जेसिका पेगुला से होगा। छठी सीड जेसिका ने चेक रिपब्लिक की करोलिना मुचोवा को 3 सेट तक चले मुकाबले में 1-6, 6-4, 6-2 से हराया।

पूरे मैच में हावी रहीं सबालेंका, डेढ़ घंटे चला मुकाबला

बेलारूसी स्टार सबालेंका सेमीफाइनल मुकाबले में मेजबान देश की खिलाड़ी पर भारी पड़ीं। उन्होंने पहला सेट 6-3 से जीत लिया, हालांकि दूसरे सेट में अमेरिकी स्टार नवारो ने उन्हें फाइट दी। लेकिन सबालेंका ने अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए दूसरे सेट को टाई ब्रेकर तक ले गईं। उन्होंने इस सेट को 7-6 के अंतर से जीत लिया। दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में मेजबान देश की छठी सीड खिलाड़ी जेसिका ने मुचोवा को 2 घंटे 12 मिनट चले मुकाबले में हराया। उन्होंने पहला सेट 1-6 से गंवाने के बाद 6-4, 6-2 की जबर्दस्त वापसी की। मेजबान देश की एमा नवारो ने सबालेंका को दूसरे सेट में कड़ी फाइट दी।

इटैलियन जोड़ी ने दोनों सेट टाई ब्रेकर में जीते

मिक्स्ड डबल्स कैटेगरी के फाइनल मुकाबले में इटली और अमेरिका की जोड़ियों में कड़ी टक्कर देखने को मिली। इटैलियन जोड़ी ने फाइनल मुकाबले के दोनों सेट टाई ब्रेकर में जीते। सारा ईरानी और एड्रिसा वावसारी की तीसरी सीड जोड़ी ने डोनाल्ड यंग और टेलर टाउनसेंड की जोड़ी को 7-6, 7-5 से हराया। टाइटल जीतने के बाद इटली की सारा और वावसारी की जोड़ी।

यूईएफए नेशंस लीग

900वां करियर गोल दाग कर भावुक हुए फुटबॉलर रोनाल्डो

नईदिल्ली, एजेंसी। सऊदी अरब में क्लब फुटबॉल खेलने वाले रोनाल्डो ने एस्टाडियो डा लूज में खेले गए मैच के 34वें मिनट में नूनो मेंडेस के क्रॉस पर गोल कर प्रोफेशनल फुटबॉल में इतिहास रच दिया। बैलन डीओर के लिए शॉर्टलिस्ट नहीं किए गए पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो गुरुवार को क्रोएशिया के खिलाफ मैच में करियर गोल दागने के बाद भावुक हो गए। रोनाल्डो ने करियर का रिकॉर्ड 900वां गोल दागा जिससे उनकी टीम ने यूएफा नेशंस लीग के पहले मैच में क्रोएशिया को 2-1 से हरा दिया। रोनाल्डो ने कुछ दिन पहले सऊदी अरब में अपने क्लब अल-नस्र के लिए शानदार फ्री-किक पर गोल किया और इस उपलब्धि के नजदीक पहुंचे थे। गुरुवार रात को इस 39 वर्षीय फुटबॉलर ने माइलस्टोन हासिल करते हुए ऐसे जश्न मनाया, जैसे कि उन्होंने अपने करियर का पहला गोल किया हो।

सऊदी अरब में क्लब फुटबॉल खेलने वाले रोनाल्डो ने एस्टाडियो डा लूज में खेले गए मैच के 34वें मिनट में नूनो मेंडेस के क्रॉस पर गोल कर प्रोफेशनल फुटबॉल में इतिहास रच दिया। पुर्तगाल की जर्सी में यह उनका 131वां गोल रहा। गोल का जश्न मनाते हुए रोनाल्डो भावुक नजर आए। 900 में से उनके आधे गोल रियल मैड्रिड के लिए आए हैं। बाकी गोल उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मैच के अलावा स्पोर्टिंग लिस्बन, मैनचेस्टर यूनाइटेड, युवेंतस और मौजूदा क्लब अल नस्र के लिए किए हैं।

रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर अपने माइलस्टोन को शेयर भी किया है। इस पोस्ट में उन्होंने कुछ ऐसा लिखा जिससे यह प्रतीत होता है कि वह हाल-फिलहाल में संन्यास नहीं लेने जा रहे हैं। उन्होंने लिखा- मैंने इसका सपना देखा था, मेरे और भी कई सपने हैं। आप सभी का धन्यवाद! रोनाल्डो को विश्व के महानतम फुटबॉलर्स में से एक माना जाता है। उनके और अर्जेंटीना के लियोनल मेसी के बीच मौजूदा समय के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर को लेकर बहस रहती है। हालांकि, मेसी ने 2022 में फीफा विश्व कप जीतकर कुछ हद तक इस बहस को आसान बना दिया था, लेकिन रोनाल्डो का क्लब करियर बेहद शानदार है। रोनाल्डो पहले से ही प्रोफेशनल फुटबॉल और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल

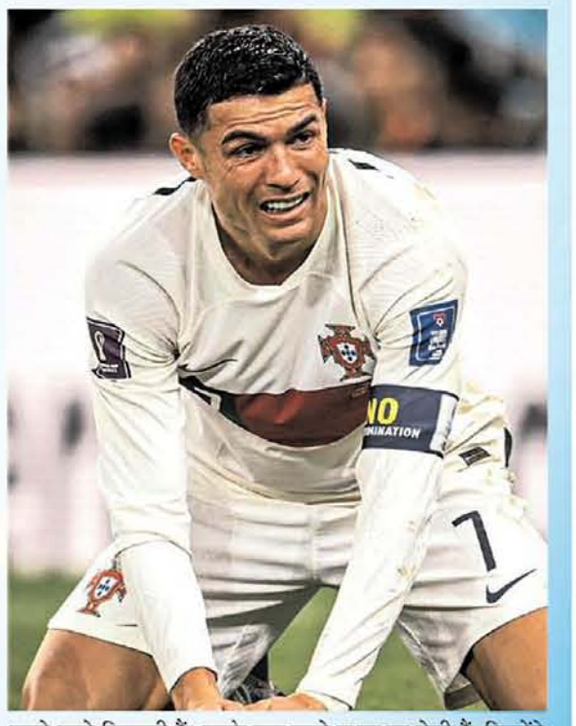

करने वाले खिलाड़ी हैं। उनके बाद दूसरे स्थान पर मेसी हैं, जिन्होंने प्रोफेशनल फुटबॉल करियर में 838 गोल किए हैं।

मैच की बात करें तो रोनाल्डो के गोल से पहले डिओगो डालोट के गोल ने पुर्तगाल को शुरुआत में ही बढ़त दिला दी थी। हालांकि, डालोट ने इसके बाद एक आत्मघाती गोल भी दागा, जिससे स्कोर 1-1 हो गया। रोनाल्डो के गोल से पुर्तगाल जीत हासिल करने में कामयाब रहा। दोनों टीमें नेशंस लीग के ग्रुप ए-1 में पोलैंड और स्कॉटलैंड के साथ हैं। पुर्तगाल रविवार को लिस्बन में स्कॉटलैंड की मेजबानी करेगा।

संक्षिप्त समाचार

चौका 0, छक्के 11, शिमरोन हेटमायर का टूटा कहर, शतक से चूके, दिल जीता

गुयाना, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 के तहत सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के खिलाफ खेले गए रोमांचक मुकाबले में गुयाना अमेजन वॉरियर्स के शिमरोन हेटमायर ने तूफानी पारी खेलकर सबको हैरान कर दिया। गुआना के लिए खेलते हुए हेटमायर ने सिर्फ 39 गेंदों पर 91 रन बनाए। उनकी पारी की खासियत यह रही कि उन्होंने पारी में एक भी चौका नहीं लगाया, उनके सारे शॉट छक्के (11) के रूप में सामने आए। यही नहीं, उक्त मैच में कुल 42 छक्के भी लगे। गुआना ने 23 तो सेंट किट्स के बल्लेबाजों ने 19 छक्के उड़ाए। प्लेयर ऑफ द मैच बने शिमरोन हेटमायर ने कहा कि मुझे लगता है कि यह दो हिस्सों की पारी थी। शुरुआत में जब मैं और गुरबाज बल्लेबाजी कर रहे थे तो हम अच्छा खेल रहे थे। फिर गुरबाज और आजम के आउट होने के बाद मुझे इसे थोड़ा पीछे खींचना पड़ा। थोड़ी सी थकान भी आ गई। वहीं, पारी में कोई चौका न लगाने पर उन्होंने कहा कि नहीं, ऐसी कोई योजना नहीं थी। मैं कुछ अलग करने की बजाय सिर्फ गेंद को उसकी योग्यता के आधार पर खेलने की कोशिश कर रहा था। इसी बीच गेंद हवा में रही।

जीत के बाद गुयाना अमेजन वॉरियर्स के कप्तान इमरान ताहिर ने कहा कि मेरे पास जो टीम है उससे मैं कुछ भी उम्मीद कर सकता हूं और यही मेरा विश्वास है। हम पहले गेंदबाजी करना चाहते थे लेकिन फिर मैंने पिच को देखा और उन्हें दबाव में लाने के लिए पहले बल्लेबाजी करने के बारे में सोचा। हेटमायर ने अविश्वसनीय पारी खेली। हम बहुत भाग्यशाली थे कि बोर्ड पर इतना अच्छा स्कोर था लेकिन बचाव करना भी एक कला है और खुशी है कि हम यह काम करने में सक्षम रहे।

विक्रम राठौड़ एकमात्र टेस्ट के लिए न्यूजीलैंड के बल्लेबाजी कोच नियुक्त

नोएडा, एजेंसी। पूर्व भारतीय बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ग्रेटर नोएडा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में 9 से 13 सितंबर तक अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट के लिए न्यूजीलैंड की पुरुष टेस्ट टीम के बल्लेबाजी कोच नियुक्त किये गए हैं। 2012 में राष्ट्रीय टीम के चयनकर्ता बनने से पहले राठौड़ ने 90 के दशक के अंत में भारत के लिए छह टेस्ट खेले और हाल ही में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में मजबूत भारतीय बल्लेबाजी इकाई का नेतृत्व किया। न्यूजीलैंड ने एशिया में आगामी तीन टेस्ट मैचों के लिए श्रीलंकाई स्पिन उस्ताद रंगना हेराथ को स्पिन-गेंदबाजी कोच नियुक्त किया, उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर और कोच सकलैन मुश्ताक की जगह ली। हेराथ, अब तक के सबसे शानदार बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स टेस्ट स्पिनर, इस महीने के अंत में अपनी मातृभूमि श्रीलंका में दो आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप मैचों के दौरान टीम के साथ बने रहेंगे।

विनेश का रेसलिंग करियर हुआ पूरी तरह खत्म!

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में विनेश फोगाट ने कभी नहीं हारने वाले जापानी रेसलर युई सुसाकी को पहले राउंड में हरा दिया। इसके बाद पूरी दुनिया में तहलका मचा दिया। फिर आसानी से जीत हासिल करते हुए विनेश ने फाइनल में एंट्री मार ली। पूरे देश को गोल्ड मेडल की उम्मीद थी लेकिन फाइनल के दिन सुबह 50 किग्रा कैटेगरी में खेलने वाली विनेश का वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया। उन्हें इसकी वजह से डिस्क्वालिफाई कर दिया गया। इससे निराश विनेश ने 24 घंटे के अंदर खेल से संन्यास का ऐलान कर दिया।

राजनीति में एंट्री मारने की तैयारी

विनेश फोगाट राजनीति में एंट्री मारने को तैयार है। पेरिस से वापस लौटते पर कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा विनेश को रिसीव करने एयपोर्ट पहुंचे थे। तभी से कयास लगाए जा रहे थे कि विनेश कांग्रेस में शामिल हो सकती हैं। दिल्ली एयरपोर्ट से पैतृक गांव बलाली तक रोड शो का आयोजन किया गया था। अब विनेश ने कांग्रेस में शामिल होने का फैसला किया है। तोक्यो ओलंपिक के मेडलिस्ट बजरंग पूनिया भी विनेश के साथ कांग्रेस में शामिल होंगे।

कभी साफ जवाब नहीं दिया

विनेश फोगाट ने निराशा में संन्यास का ऐलान किया था। वह अभी 30 साल की ही हैं। कयास लगाए जा रहे थे कि विनेश संन्यास से वापसी करेंगी। इसे लेकर भारत लौटने के बाद कई बार उनसे सवाल भी किया गया। विनेश ने कभी साफ जवाब नहीं दिया। इससे उम्मीद जताई जा रही थी कि वह वापसी करेंगी। लेकिन अब राजनीति में एंट्री के बाद लग रहा है कि उनका रेसलिंग करियर पूरी तरह खत्म हो गया है। वैसे तो राजनीति में एंट्री के बाद भी विनेश फोगाट के बाद संन्यास से वापसी करने का मौका होगा। लेकिन रिपोर्ट्स की मानें तो विनेश को कांग्रेस हरियाणा विधानसभा चुनाव में टिकट भी देगी। अक्टूबर में वहां चुनाव होने हैं। ऐसे में चुनाव लड़कर रेसलिंग प्रैक्टिस करना काफी मुश्किल होगा। वह अगर चुनाव जीत जाती है कि जिम्मेदारी और भी ज्यादा बढ़ जाएगी।

राहुल द्रविड़ बेहद संतुलित थे, गौतम गंभीर जीत के प्रति आक्रामक: पंत

बेंगलुरु, एजेंसी। टीम इंडिया के नए हेड कोच गौतम गंभीर का पहला टेस्ट असाइनमेंट 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ शुरु होगा. टी20 वर्ल्ड कप के बाद भारतीय टीम के कोच बने गंभीर इससे पहले सीमित ओवरों की सीरीज के लिए श्रीलंका दौरे पर गए थे, जहां उन्हें मिले-जुले परिणाम मिले. भारतीय टीम टी20 सीरीज जीत गई, जबकि वनडे में उसे 2-0 की हार का सामना करना पड़ा. इस बीच गंभीर की कोचिंग में टीम इंडिया में खेलने के लिए युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी बहुत उत्साहित हैं. पंत टी20 वर्ल्ड कप के बाद श्रीलंका दौरे का भी हिस्सा थे, जहां उन्होंने कोच गंभीर के साथ काफी वक्त बिताया. वह इन दिनों दलीप ट्रॉफी में खेल रहे हैं. यहां उन्होंने गौतम गंभीर और राहुल द्रविड़ की तुलना की है. दलीप ट्रॉफी में पंत इंडिया क्र का हिस्सा हैं, जिसकी कमान अभिमन्यु ईश्वरन संभाल रहे हैं. इंडिया, के खिलाफ खेले जा रहे इस मैच में इंडिया क्र की टीम तब संकट में दिख रही थी, जब सिर्फ 94 रनों पर उसने 7 विकेट गंवा दिए. टीम की बल्लेबाजी फ्लॉप रही. मुशीर खान (105*) इकलौते ऐसे बल्लेबाज हैं, जो क्रीज पर टिके रहे और उन्होंने नंबर 9 के बल्लेबाज नवदीप सैनी (29*) के साथ मिलकर 108 रन की अविजित साझेदारी कर टीम को संकट से निकाल लिया.

पंत भी यहां फ्लॉप रहे और वह 10 बॉल की अपनी पारी में 1 चौके की मदद से सिर्फ 7 रन बनाकर आउट हो गए. इस विकेटकीपर बल्लेबाज गुरुवार को मैच

शुरु होने से पहले मैच के प्रसारणकर्ता जियो सिनेमा से बातचीत की. इस बातचीत में उन्होंने भारत के पूर्व हेड राहुल द्रविड़ और गौतम गंभीर की अलग-अलग खासियत को बताया.

पंत ने कहा, 'मैं समझता हूं कि राहुल द्रविड़ बतौर व्यक्ति और बतौर कोच बेहद संतुलित हैं. बतौर क्रिकेट टीम हमारे पास अच्छे और बुरे दोनों तरह के क्षण रहे हैं. क्रिकेट की इस यात्रा में सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह की चीजें मिलती हैं. और यह इस बात पर निर्भर करता है कि कोई व्यक्ति उसके सकारात्मक पहलुओं पर फोकस करना चाहता है या फिर नकारात्मक पहलू पर.'

26 वर्षीय इस इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, 'गौतम गंभीर की बात है तो वह आक्रामक हैं. वह इस पक्ष में ज्यादा हैं कि हमें जीतना है. लेकिन आपको एक संतुलन ढूंढने की जरूरत होती है. इंटरनेशनल क्रिकेट का यही सर्वश्रेष्ठ खासियत है. आप लगातार बेहतर होते जाते हैं और सही संतुलन तलाशने में लगे रहते हैं.'

ऋषभ पंत जानते हैं कि अब भारत का टेस्ट सीजन शुरू हो चुका है और नवंबर में शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे तक टीम को कुल 10 टेस्ट मैच खेलने हैं. इस बारे में चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि भारत किसी भी विरोधी टीम को हल्के में नहीं लेता है. टीम अपनी क्षमताओं पर फोकस करती है. भारत को 19 सितंबर से अपने घर पर बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीजन का आगाज करना है. बांग्लादेश की टीम हाल ही में पाकिस्तान को उसके घर में 2-0 से हराकर यहां पहुंच रही है. यह उसकी ऐतिहासिक जीत है.

आईपीएल में 130 रुपये में भी नहीं बिकेगा

नईदिल्ली, एजेंसी। हाल ही में बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार जीत हासिल की, जिससे पाकिस्तान क्रिकेट को एक बड़ा झटका लगा है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 2-0 से हराकर पहली बार टेस्ट सीरीज में घर में पराजित किया। इस हार ने पाकिस्तान की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की प्वाइंट टेबल और आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भी महत्वपूर्ण नुकसान किया है।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच यह टेस्ट सीरीज रावलपिंडी में खेली गई थी। पहले मैच में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को हराया और दूसरे मैच में भी बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराकर सीरीज पर कब्जा जमाया। इस हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट की टीम और उनके प्रशंसकों को सोशल मीडिया पर काफी आलोचना का सामना करना पड़ा। पूर्व क्रिकेटर्स और क्रिकेट फैंस ने टीम की आलोचना की और हार के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया।

बाबर आजम पर यूट्यूबर की टिप्पणियां

इस सीरीज के दौरान पाकिस्तान के प्रमुख बल्लेबाज बाबर आजम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। बाबर आजम, जो पाकिस्तान की बल्लेबाजी का मुख्य आधार हैं, इस सीरीज में बहुत ही खराब फॉर्म में दिखे। उनकी इस निराशाजनक प्रदर्शन के चलते सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। एक पाकिस्तानी यूट्यूबर ने बाबर आजम की आलोचना करते हुए कहा, आईपीएल में तो कोई उन्हें 130 रुपये में भी नहीं खरीदेगा। यह टिप्पणी बाबर के हालिया प्रदर्शन पर तंज कसते हुए की गई थी। हालांकि, ध्यान देने वाली बात है कि फिलहाल आईपीएल में पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भागीदारी पर प्रतिबंध लगा हुआ है, जिससे बाबर आजम को आईपीएल में खेलने का मौका नहीं मिलता।

पाकिस्तान के कप्तान की प्रतिक्रिया

पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान शान मसूद ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा, मैं पूरी तरह से हार की जिम्मेदारी लेता हूं और देश से माफी मांगता हूं। मसूद ने हार की जिम्मेदारी स्वीकार की, जबकि टीम की हार ने पाकिस्तान क्रिकेट की स्थिति पर सवाल उठाए हैं। पाकिस्तान की बांग्लादेश के खिलाफ हार ने क्रिकेट प्रेमियों और विश्लेषकों का ध्यान आकर्षित किया है। बाबर आजम की खराब फॉर्म और पाकिस्तान की हार ने सोशल मीडिया पर कई चर्चाएं शुरू कर दी हैं।

यूट्यूबर ने पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आजम का उड़ाया मजाक

आईपीएल 2025 से पहले

कुमार संगाकारा लेंगे गौतम गंभीर की जगह

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 से पहले सिर्फ टीमों में खिलाड़ियों के रूप में नहीं, बल्कि कोचिंग स्टाफ के रूप में भी बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं. जैसे मेगा ऑक्शन से पहले खिलाड़ी एक टीम से दूसरी टीम में जा सकते हैं, वैसे ही कोचिंग स्टाफ के सदस्य भी एक टीम से दूसरी टीम में शामिल हो सकते हैं. अब खबर सामने आई कि राजस्थान रॉयल्स के टीम डायरेक्टर कुमार संगाकारा कोलकाता नाइट राइडर्स में गौतम गंभीर की जगह ले सकते हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, संगाकारा कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटॉर बनने की बातचीत में लगे हुए हैं. अगर संगाकारा केकेआर के मेंटॉर बनते हैं, तो वह गौतम गंभीर की जगह लेंगे. टीम इंडिया के हेड कोच बनने के बाद गंभीर को केकेआर का साथ छोड़ना पड़ा था. 2024 में गंभीर कोलकाता के मेंटॉर के रूप में नजर आए थे.

भगवान गणेश को चढ़ाएं ये चीजें, दूर होंगी सभी विघ्न-बाधाएं

गणपति बप्पा मोरया अब हर जगह पर आपको यही आवाज सुनाई देगी। 7 सितंबर से गणपति का आगमन हो रहा है, जिसकी तैयारियां पूरी हो गई हैं। किसी ने मंदिर को सजाना शुरू कर दिया है, तो किसी ने अपने घर में गणपति को रखने के लिए जगह सजनी शुरू कर दी है। लेकिन आपको गणपति लाने से पहले कई सारी चीजें हैं, जिनका खास ध्यान रखना जरूरी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे आपका पूजन संपन्न होता है। साथ ही, आपकी सारी मनोकामना पूरी होती है। चलिए आपको बताते हैं कौन सी बातें हैं, जिन्हें जानना जरूरी होता है।

गणेश जी को चढ़ाएं ध्रूवा की माला

गणेश जी को ध्रूवा बेहद प्रिय होती है। इसलिए कई सारे लोग गणेश पूजन के समय इसे गणपति जी को जरूर चढ़ाते हैं। लेकिन गणेश उत्सव के समय अगर आप 51 ध्रूवा की माला चढ़ाएंगी, तो इससे आपकी मनोकामना जल्दी पूरी होगी। लेकिन यह आपको तब तक चढ़ानी है, जब तक आपके घर में गणपति विराजमान हैं। इससे आपके घर में पॉजिटिविटी बनी रहेगी। साथ ही, आपकी सारी इच्छा पूरी हो जाएगी।

गणेश जी को चढ़ाएं सिंदूर

हम सभी को यह तो पता है कि हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाया जाता है। लेकिन यह वही लोग चढ़ाते हैं, जिनकी मांगी हुई इच्छा पूरी होती है। आप इसी सिंदूर को गणपति को चढ़ाएं। इससे भी आपकी इच्छा पूरी होगी। इस सिंदूर को आप अपने घर में रखे गणपति पर चढ़ाएं। इसके बाद रोजाना इसका टिका लगाएं। इससे आपके सारे काम बन जाएंगे।

इन मत्रों का करें जाप

गणेश पूजन के समय घर में सुबह और शाम पूजा होती है। इस पूजा में आरती की जाती है। लेकिन अगर आपको भगवान गणेश को प्रसन्न करना है, तो इसके लिए आप एक मंत्र का जाप जरूर करना चाहिए। गणेश पूजा मंत्र- ॥ ऊँ गं गणपतये नमः ॥ इस मंत्र का जप करें। आप चाहें तो इसे किसी पेपर पर भी लिख सकती हैं। इससे आपके सारे काम बनने शुरू हो जाएंगे। इस मंत्र को आपको रोजाना चेंट करना है।

भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए इन उपायों को करें। इससे आपकी सारी बाधाएँ दूर हो जाएगी और सफलता प्राप्त होगी। इस दिन की गई आराधना से बुद्धि, विवेक में वृद्धि होती है, जिससे मानसिक शांति और सफलता की प्राप्ति होती है। इसलिए आपको यह उपाय जरूर करना चाहिए। पंडित जी के बताए गए इन उपायों को करने से आपके सारे काम बन जाएंगे। साथ ही, आपकी इच्छाएं पूरी होगी।

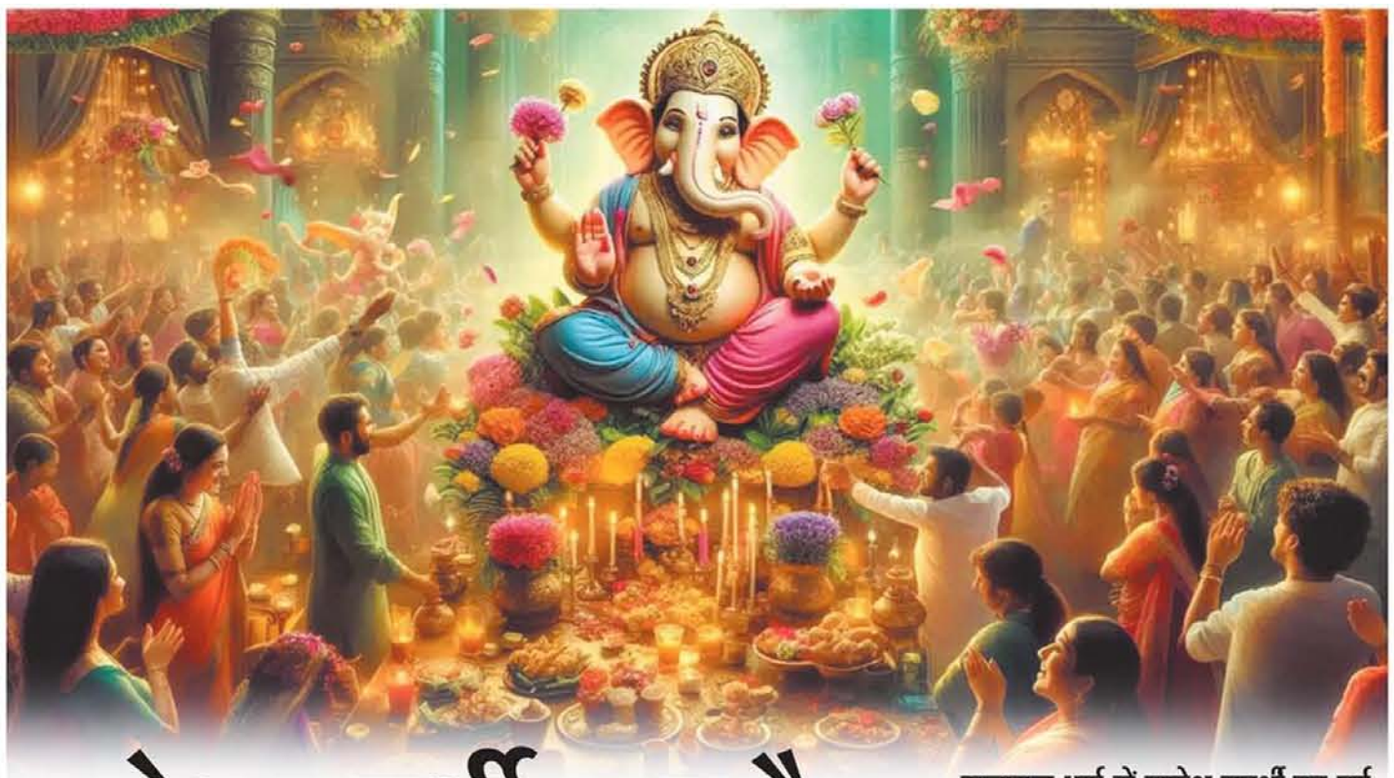

गणेश चतुर्थी कब है शुभ तिथि, योग, मुहूर्त और पूजा का महत्व

सनातन धर्म में गणेश चतुर्थी का पर्व बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है। इस दौरान भक्त गणपति बप्पा की प्रतिमा अपने घर में स्थापित करते हैं। आइए जानते हैं कि इस साल गणेश चतुर्थी कब मनाया जाएगा।

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। इस दौरान बप्पा की पूजा-अर्चना विधिवत रूप से करने का विधान है। भगवान गणेश को बुद्धि, समृद्धि और सौभाग्य का कारक माना जाता है। बप्पा सभी देवी-देवताओं में सबसे पहले पूजे जाने वाले देवता है। इनकी पूजा करने के बाद ही देवी-देवता की पूजा करने का मान्यता है। आपको बता दें, वैसे तो हर महीने चतुर्थी तिथि के दिन भगवान गणेश की पूजा करने का विधान है। लेकिन भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली चतुर्थी तिथि को बेहद खास माना जाता है। वहीं अनंत चतुर्थी के दिन बप्पा को विदा करते हैं। अब ऐसे में इस साल गणेश चतुर्थी कब से आरंभ हो रहा है। पूजा का शुभ मुहूर्त कब है। इस पर्व का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं।

गणेश चतुर्थी के दिन पूजा का महत्व क्या है?

भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है। माना जाता है कि उनकी पूजा करने से सभी प्रकार के विघ्न दूर होते हैं और कार्य में सफलता मिलती है। गणेश चतुर्थी को नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन नए काम की शुरुआत करना शुभ माना जाता है। भगवान गणेश को ज्ञान और

बुद्धि का देवता भी माना जाता है। उनकी पूजा करने से बुद्धि में वृद्धि होती है और ज्ञान प्राप्त होता है। गणेश जी की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है। गणेश जी की पूजा से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

गणेश चतुर्थी कब है?

पंचांग के हिसाब से गणेश चतुर्थी इस साल 06 सितंबर को दोपहर 03 बजकर 01 मिनट से आरंभ हो रहा है और इस तिथि का समापन 07 सितंबर को
गणेश चतुर्थी -सुबह 05 बजकर 37 मिनट पर समाप्त होगा।
गणेश चतुर्थी उदया तिथि- 07 सितंबर को मनाई जाएगी।

गणेश चतुर्थी के दिन शुभ मुहूत

गणेश चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त के बारे में जानना बेहद जरूरी है। गणेश चतुर्थी के दिन विधिवत रूप से शुभ मुहूर्त बप्पा की पूजा कर सकते हैं।
विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 24 मिनट से लेकर 03 बजकर 14 मिनट तक है।
गोधूलि मुहूर्त - शाम 06 बजकर 35 मिनट से लेकर शाम 06 बजकर 58 मिनट तक है।
निशिता मुहूर्त - रात 11 बजकर 56 मिनट से लेकर 12 बजकर 42 मिनट तक है।

भद्रावास योग क्या है?

ज्योतिष शास्त्र में भद्रा पाताल में रहने वाला है। जिसके कारण इस दौरान पृथ्वी पर उपस्थित सभी जीवों के लिए कल्याणकारी माना जाता है। इस योग में बप्पा की पूजा करने से सभी दुखों से छुटकारा मिल जाता है।
भद्रावास योग का समय - भद्रावास योग 7 सितंबर को सुबह 04 बजकर 20 मिनट पर भद्रावास योग का निर्माण हो रहा है और
भद्रावास योग कासमापन- शाम को 5 बजकर 37 मिनट पर होगा।
इस योग में बप्पा की पूजा-अर्चना करना शुभ फलदायी माना जाता है।

गणेश चतुर्थी के दिन शुभ योग कब है?

गणेश चतुर्थी के दिन शुभ योग में भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करना उत्तम फलदायी माना जाता है। इस योग में पूजा-पाठ करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है।
ब्रह्म योग का समय - ब्रह्म योग सूर्योदय 06.02 बजे से लेकर रात 11.17 बजे तक है।
इंद्र योग का समय - गणेश चतुर्थी की रात 11-17 बजे से अगले दिन तक है।
ज्योतिष शास्त्र में ब्रह्म और इंद्र योग को शुभ माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस योग में भगवान गणेश की पूजा करने से साधकों की सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। साथ ही सौभाग्य में भी वृद्धि होती है।

गणेश चतुर्थी मनाने की क्या है परंपरा, जानें इतिहास और महत्व

सनातन धर्म में गणेश चतुर्थी का पर्व बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यह पर्व देशभर में विधिवत रूप से मनाई जाती है। लेकिन महाराष्ट्र में इसकी धूम विशेष रूप से देखने को मिलती है। बप्पा के आगमन के लिए पहले से ही तैयारियां आरंभ हो जाती है। विभिन्न प्रकार के थीम के पंडाल तैयार किए जाते हैं। बप्पा की बड़ी-बड़ी मूर्तियां तैयार किए जाते हैं।

भगवान गणेश के जन्मोत्सव के रूप 10 दिनों तक उत्सव धूमधाम के सात मनाया जाता है। वहीं अनंत चतुर्दशी के दिन बप्पा का विसर्जन कर दिया जाता है। आपको बता दें, इस साल गणेश चतुर्थी, 07 सितंबर को विधि-विधान के साथ मनाई जाएगी। अब ऐसे में गणेश चतुर्थी मनाने की परंपरा क्या है। इस पर्व का इतिहास क्या है।।

कैसे शुरू हुई गणेशोत्सव की शुरुआत?

गणेशोत्सव की शुरुआत महाराष्ट्र की राजधानी पुणे से हुई। ऐसा कहा जाता है कि इसका इतिहास मराठा साम्राज्य के सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़ा हुआ है। ऐसी मान्यता है कि भारत में मुगलों के शासन के दौरान अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए छत्रपति शिवाजी ने अपनी माता जीजीबाई के साथ गणेश महोत्सव की शुरुआत की थी। वहीं इस महोत्सव की शुरुआत करने के बाद मराठा साम्राज्य के और पेशवा भी गणेश महोत्सव को मनाने लगे। गणेश चतुर्थी के दौरान मराठा पेशवा ब्राह्मणों को भोजन कराते थे। साथ ही दान-पुण्य भी विशेष रूप से करते थे। वहीं पेशवा के बाद ब्रिटिश हुकूमत भारत में हिंदूओं के सभी त्योहारों पर रोक लगा दी थी, लेकिन बाल गंगाधर तिलक ने गणेश चतुर्थी के महोत्सव को दोबारा मनाने की शुरुआत की थी। इसके बाद 1892 में भाऊ साहब जावले के द्वारा पहली भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई।

गणेश चतुर्थी क्यों मनाई जाती है?

गणेश चतुर्थी बप्पा के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान गणेश का जन्म भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को हुआ था। वहीं गणेशोत्सव के दौरान बप्पा 10 दिनों तक सभी के घरों में विराजते हैं और उनकी विधिवत पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि किसी भी नए काम की शुरुआत से पहले बप्पा की पूजा विधिवत रूप से करने की परंपरा है। इन्हें विघ्नहर्ता भी कहा जाता है।

गणेश चतुर्थी पर्व का महत्व क्या है?

भगवान गणेश को सौभाग्य, समृद्धि और ज्ञान का देवता कहा जाता है। कहते हैं कि बप्पा की पूजा विधिवत रूप से करने से व्यक्ति के जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती है। साथ ही जीवन में सुख-सौभाग्य और संपन्नता का भी आगमन होता है।

गणपति बप्पा की पूजा करने से मिलते हैं ये लाभ, पूरी होती है सारी मनोकामना

हमारे देश में आजकल पूजा-पाठ भी सुविधा के अनुकूल हो गई है। पहले आराधना का अर्थ सर्वोच्च शक्ति को याद करते हुए मंत्रों और अनुष्ठानों में पूरे दिल और आत्मा से लगना होता था। लेकिन समय के साथ जैसे-जैसे तकनीकी छलांग बढ़ती जा रही है, देवताओं की पूजा की पूरी अवधारणा में व्यापक बदलाव आया है। आज लोगों को दूसरों से बात करते, टीवी देखते और यहां तक कि खाते या पीते हुए भी अपने देवता के नाम का जाप करते देखा जा सकता है। यह सब आज लोगों की पूजा का तरीका है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जिस तरह से आप अपने भगवान की पूजा करती हैं, उसके क्या मायने है? जी हां, यह वास्तव में मायने रखता है और अगर आप इसे सही तरीके से करते हैं तो आप अपना समय बर्बाद करने की बजाय कुछ मंत्रों का उच्चारण करके बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं।

बुद्धि- भगवान गणेश का हाथी वाला सिर ज्ञान का प्रतीक है। इसलिए अगर आप गणेश की पूजा करती हैं तो आप जानबूझकर या अवचेतन रूप से ज्ञान प्राप्त कर सकती हैं। अगर आपने भगवान गणेश को अपने सर्वोच्च देवता के रूप में पूजा करने के लिए चुना है तो इसका मतलब है कि आपको उनकी शक्तियों में से एक के रूप में ज्ञान पसंद है। इस प्रकार रोजाना भगवान गणेश की पूजा करना जीवन की आपकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं की याद दिलाता है और आप ज्ञान प्राप्त करने के लिए इसका पीछा करते हैं।

सौभाग्य - ऐसा माना जाता है कि भगवान गणेश सौभाग्य और धन के देवता हैं। अगर आप उनकी भक्त बन जाती हैं और भाग्य को प्राप्त करने के लिए अपने दिल से काम करती हैं तो आप खाली हाथ नहीं लौटेंगी। आप समर्पण की एक उन्नत अवस्था प्राप्त करेंगी और अपने जीवन में धन और शक्ति की प्रचुरता की ओर आसानी से काम करेंगी। आपको बस अपने वास्तविक जीवन में उनके पाठों का पालन करना है। अगर आप अक्सर अपना आपा खो देती हैं तो धैर्य क्रोध को नियंत्रित करने की कुंजी है। भगवान गणेश के बड़े कान इस बात का प्रतीक हैं कि वह एक अच्छे श्रोता हैं और अगर आप खुद को उनके प्रति समर्पित करती हैं और अपने आंतरिक शक्ति पर ध्यान केंद्रित करती हैं तो आपमें धीरे-धीरे समान स्तर का धैर्य विकसित होता है। यह निश्चित रूप से आपको एक बेहतर इंसान बनने में मदद करेगा।

समृद्धि - हर कोई एक समृद्ध और हेल्दी जीवन का सपना देखता है और यह बहुत हद तक आपके द्वारा चुनी गई जीवनशैली पर निर्भर करता है। जब आपने भगवान गणेश को अपना देवता चुना और उन्हें अपनी पूजा अर्पित की, तो आप उत्साहपूर्वक सफलता प्राप्त करने की दिशा में काम करती हैं। आप खुद को दृढ़निश्चयी और आसानी से तैयार पाएंगी जो आपको आपकी भलाई की ओर ले जाएगा।

आपकी आत्मा शुद्ध होगी - भगवान गणेश में ध्यान और विश्वास करने से आप अपने आचरण में अंतर को नोटिस और शांति की भावना का अनुभव कर सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो कोई भी अपना जीवन उसके प्रति समर्पित करता है वह आत्मा को शुद्ध कर देते हैं क्योंकि आप अच्छे कार्यों पर ध्यान केंद्रित और अपने जीवन में नकारात्मकता को दूर करती है जिससे आपकी आत्मा शुद्ध होती है।

ज्ञानी बनेंगे हैं आप - भगवान गणेश सभी देवताओं में सबसे बड़े ज्ञानी माने जाते हैं। यह उनके सबसे मजबूत गुणों में से एक है। जब आप उसे आत्मज्ञान के एकमात्र मकसद से पूजती हैं तो आप खुद को रूपांतरित होते देखेंगी। निरंतर अभ्यास और दृढ़ प्रयास के साथ आप एक-एक करके ज्ञान की सीढ़ियों पर चढ़ेंगी और ज्ञान की शक्ति देखेंगी।

सभी बाधाएं होती हैं दूर - गणेश जी को विघ्नहर्ता माना जाता है। जब आप पूरे विश्वास के साथ भगवान गणेश की पूजा करते हैं तो वह आपका मार्गदर्शन करते हैं और आपको सभी चीजों से लड़ने का साहस प्रदान करते हैं। आप अपने डर पर विजय पाकर अपने जीवन की सभी बाधाओं को दूर कर सकती हैं। आप अपने अंदर छिपे गुणों को अनलॉक करती हैं और किसी भी मुश्किल स्थिति को आसानी से पार कर लेती हैं।

जूनियर एनटीआर की देवरा पर आया बड़ा अपडेट, जानें किस दिन ट्रेलर रिलीज करने की है तैयारी

आरआरआर के बाद जूनियर एनटीआर बड़े पर्दे पर दोबारा वापसी करने के लिए तैयार हैं। उनकी फिल्म देवरा- पार्ट-1 27 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। कोरतल्ला शिवा के निर्देशन में बनी इस फिल्म से अभिनेता के फैंस को काफी ज्यादा उम्मीदें हैं। माना जा रहा है कि फिल्म में एक्शन के साथ दर्शकों को दमदार कहानी भी देखे को मिलेगी।

जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज नजदीक आ रही है, वैसे वैसे फिल्म को लेकर नई-नई जानकारियां भी सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म के ट्रेलर की रिलीज की तारीख से अब पर्दा उठ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्र के हवाले से बताया गया है कि फिल्म के ट्रेलर को 10 या 11 सितंबर को लॉन्च करने की पूरे जोर-शोर से तैयारी चल रही है।

रिपोर्ट्स में सूत्र के हवाले से कहा गया है कि मौजूदा समय में फिल्म के दृश्यों और बैकग्राउंड दृश्यों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं, फिल्म की मार्केटिंग टीम इसे भव्य रूप से रिलीज करने के लिए खास योजना पर काम कर रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि देवरा- पार्ट 1 के ट्रेलर में बड़े पैमाने में ड्रामा और एक्शन का एक रोमांचक मिश्रण देखने को मिल सकता है। इस फिल्म में सैफ अली खान खलनायक की भूमिका में नजर आने वाले हैं। वहीं, जान्हवी कपूर इस फिल्म से साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही है।

इस फिल्म को दो भागों में बनाने की तैयारी है। उम्मीद है कि इस फिल्म के दूसरे भाग की शूटिंग 2025 में शुरू होगी। कहा जा रहा है कि वॉर 2 और प्रशांत नील की अगली फिल्म को खत्म करने के बाद जूनियर एनटीआर देवरा पार्ट- 2 की शूटिंग शुरू करेंगे।

फैशन मेरे लिए खुद को व्यक्त करने का एक और तरीका

आलिया भट्ट अपनी ऑन-स्क्रीन परफॉर्मेंस और स्टाइल से दर्शकों को हमेशा आकर्षित करती रही हैं। उन्होंने हाल ही में कहा है कि फैशन उनके लिए एक कहानी बताने का तरीका है। बातचीत में आलिया ने कहा, फैशन मेरे लिए खुद को व्यक्त करने का एक और तरीका है, यह मेरे लिए खुद का प्रतिबिंब है। मैंने हमेशा अपने प्रति सच्चा रहने की कोशिश की है। फैशन हमेशा बदलता रहता है लेकिन मेरे लिए यह हमेशा आरामदायक और आसान रहा है। जब आलिया से उनके बालों और त्वचा की देखभाल के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने अपने रूटीन के बारे में भी कई बातें शेयर की। उन्होंने कहा मैं एक नियमित स्किनकेयर रूटीन का पालन करती हूं, जिसमें त्वचा की सफाई, मॉइश्चराइजिंग और धूप से सुरक्षा शामिल है। हाइड्रेटेड रहना भी मेरे रूटीन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब मैं काम नहीं कर रही होती, तो मैं मेकअप भी नहीं करती हूं ताकि मेरी त्वचा भी आराम कर सके। इसके अलावा मैं अपने बालों को स्टाइलिंग टूल्स और प्रोडक्ट्स से ब्रेक देती हूं ताकि वे स्वस्थ रहें।

आलिया ने अपने सिल्की बालों के बारे में बताते हुए कहा, मेरे लिए, बालों के साथ नए-नए प्रयोग करना नए लुक्स को अपनाने का अच्छा तरीका है। यह बहुत अच्छी बात है कि बालों का नया रंग आपके किसी इवेंट में मौजूदगी को कैसे बदल सकता है और यह आपकी परफॉर्मेंस में एक नई ऊर्जा का संचार कर सकता है।

ग़ौरतलब है कि आलिया भट्ट ने 2012 में अपनी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर के साथ बॉलीवुड में कदम रखा था। वह इसी साल अक्टूबर के महीने में हिंदी सिनेमा में अपने 12 साल पूरा करने वाली हैं। अपने इस बारह साल के करियर में उन्होंने हाईवे, 2 स्टेट्स, हम्टी शर्मा की दुल्हनिया, कपूर एंड सन्स, उड़ता पंजाब, राजी, गली बॉय, गंगूबाई काठियावाड़ी, डार्लिंग्स, और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया। आलिया ने हिंदी सिनेमा में अपने 12 साल के योगदान को याद करते हुए कहा, पिछले 12 वर्षों में, मैंने कुछ बेहतरीन निर्देशकों, प्रोडक्शन हाउसों और अभिनेताओं के साथ काम किया है। मैं उन सब के द्वारा मुझे मिले हर प्रोजेक्ट के लिए आभारी हूं, क्योंकि इन लोगों की वजह से ही मुझे इतने विविध और अनोखे किरदार निभाने का मौका मिला है। बता दें, आलिया की आगामी फिल्मों में जिगरा और अल्फा शामिल है जिसमें वह एक जासूस की भूमिका में नजर आएंगी।

एटली की अगली एक्शन पैक्ड फिल्म में नजर आएंगे सलमान और कमल हासन

सलमान खान और कमल हसन को लेकर जवान के निर्देशक एटली एक बड़ी एक्शन फिल्म बनाने जा रहे हैं। एटली ने दोनों दिग्गजों को एक साथ काम करने के लिए मना लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान और कमल ने फिल्म के लिए हामी भर दी है। पिंकविला ने अपनी रिपोर्ट में इस बात का दावा किया है। सलमान जहां बॉलीवुड के बड़े स्टार हैं, वहीं कमल को पैन इंडिया का बड़ा कलाकार माना जाता है। कमल ने 80-90 के दशक में कुछ सुपरहिट हिंदी फिल्मों में काम किया था। कमल हाल ही 'कल्कि 2898 एडी' फिल्म में अमिताभ बच्चन के साथ अहम भूमिका में थे। इसके बाद उनकी एक और मूवी 'इंडियन 2' रिलीज हुई थी, जो ज्यादा नहीं चली। सलमान-कमल की फिल्म की शूटिंग 2025 में शुरू होगी जबकि प्री प्रोडक्शन का काम इसी साल अक्टूबर में शुरू हो जाएगा। बता दें कि एटली की फिल्म जवान साल 2023 में पर्दे पर आई थी। शाहरुख खान के अभिनय से सजी एक्शन पैक्ड इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1160 करोड़ रुपए का दमदार कलेक्शन किया था। इसी के साथ इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड सबसे ज्यादा कमाई करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था।

49 की उम्र में दुल्हन बनेंगी शिल्पा शिंदे!

शिल्पा शिंदे टेलीविजन इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री हैं अभिनेत्री को इन दिनों रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 14 में देखा जा रहा है। शिल्पा को सबसे ज्यादा लोकप्रियता अंगूरी भाभी के किरदार से मिली।

जानकारी हो कि शिल्पा शिंदे 49 की उम्र में भी सिंगल हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो शिल्पा शिंदे, करणवीर मेहरा से शादी रचाने जा रही हैं। करणवीर मेहरा ने इससे पहले दो शादियां की थीं, लेकिन दोनों नहीं चलीं।

फरहान अख्तर की फिल्म 120 बहादुर की शूटिंग शुरू, निभा रहे हैं मेजर शैतान सिंह की भूमिका

फरहान अख्तर की नई फिल्म 120 बहादुर की शूटिंग शुरू हो गई है। इसका पहला शेड्यूल लद्दाख में शूट किया जाएगा। फिल्म का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के एक्सेल एंटरटेनमेंट और अमित चंद्रा के ट्रिगर हैप्पी स्टूडियो द्वारा किया जा रहा है।

मेजर शैतान सिंह के रोल में दिखेंगे फरहान अख्तर

120 बहादुर में फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह पीवीसी के रोल में दिखाई देंगे। इस फिल्म में मेजर शैतान सिंह पीवीसी और चार्ली कंपनी, 13 कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिकों की कहानी देखने को मिलेगी और इसे दिखाने के लिए फिल्म निर्माता सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह एक मिलिट्री एक्शन फिल्म है, जिसमें सैनिकों को जंग के मैदान में लड़ते हुए देखा जाएगा। सैनिकों के बलिदान की मार्मिक कहानी को देखना दिलचस्प होगा। फरहान अख्तर ने फिल्म का मोशन पोस्टर भी साझा किया है, जिस पर लिखा है, वो तीन हजार थे और हम? फरहान ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में सैनिकों के बारे में लिखा कि उन्होंने जो हासिल किया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।

फिल्म में दिखेगी रेजांग ला की लड़ाई

फरहान अख्तर की मुख्य भूमिका वाली 120 बहादुर रेजांग ला की लड़ाई से प्रेरित है और यह 1962 के भारत-चीन युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फरहान अख्तर के प्रशंसक उन्हें सैनिक की भूमिका में दुश्मनों से लोहा लेते हुए देखने के लिए काफी उत्सुक हैं। फिल्म में भारतीय सैनिकों के बलिदान और साहस की कहानी दर्शकों को प्रेरित भी करेगी। बता दें कि फरदान अख्तर इससे पहले भी बड़े परदे पर एक और मशहूर शख्सियत मिल्खा सिंह का रोल कर चुके हैं। '120 बहादुर' का निर्देशन रजनीश घई करेंगे। फिल्म दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ-साथ सैनिकों की वीरता का भी सम्मान करेगी।

वसुधा में अपनी भूमिका के लिए राजस्थानी बोली सीख रही हैं प्रिया ठाकुर

शो वसुधा में मुख्य भूमिका निभा रही अभिनेत्री प्रिया ठाकुर अपने किरदार में जान डालने के लिए राजस्थानी बोली सीख रही हैं। झीलों के शहर-उदयपुर में शूटिंग के दौरान प्रिया ने खुद को स्थानीय संस्कृति के रंग में रंग लिया। वह राजस्थानी बोली को समझने के लिए आम लोगों से बात करती नजर आई। उसी के बारे में बात करते हुए प्रिया ने कहा, मैं वसुधा का किरदार निभाने के लिए बहुत उत्सुक हूं। मुझे किरदार और उसका लुक बहुत पसंद है। एक कलाकार के रूप में चरित्र और बोली पर मजबूत पकड़ होनी जरूरी है। वसुधा के किरदार में प्रामाणिकता लाने के लिए उस बोली में महारत हासिल करना महत्वपूर्ण है। आगे उन्होंने कहा, मेरे लिए उदयपुर में यात्रा करना, स्थानीय लोगों के साथ जुड़ना और उनके जीवन के तरीके में खुद को शामिल करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद रहा है। लोगों की वास्तविक गर्मजोशी और आतिथ्य ने उनके साथ मेरे जुड़ाव को आसान बनाया और मुझे उनकी बोली की बारीकियों को समझने में मदद की। उन्होंने आगे कहा, मैंने खम्मा घानी (अभिवादन), और तू किसो है (आप कैसे हैं?) जैसे प्रमुख वाक्यांश सीखे हैं और साथ ही राम राम सा (एक पारंपरिक अभिवादन) जैसी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां भी सीखी हैं, पधारो सा (कृपया आएं) और भी बहुत कुछ सीखा है। प्रिया ने आगे कहा, मैं राजस्थानी बोली को बेहतर बनाने और उस पर अपनी पकड़ बनाने के लिए अपनी टीम के साथ लगातार काम कर रही हूं। मैं अपने प्रदर्शन में इस प्रामाणिकता को शामिल करने के लिए रोमांचित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शक इसकी सराहना करेंगे।

फिल्मों में महिलाओं का सम्मान मेरे लिए जरूरी

यह साल राजकुमार राव के लिए बेहतरीन साबित हुआ है। श्रीकांत की अर्थपूर्ण भूमिका से मिली तारीफ के बाद उनकी स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। एफटीआईआई से इंडस्ट्री में कदम रखने वाले राजकुमार ने छोटी-छोटी भूमिकाएं कर चौदह साल का लंबा सफर तय किया है। आज वे पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों ही फ्रंट पर चमक रहे हैं।

आज से 14 साल पहले जब आप मुंबई में आए, तो आउटसाइडर थे। आज आप दर्शकों के फेवरेट स्टार बन चुके हैं। इस सफर को कैसे देखते हैं?

हां, 2008 में जब मैं फिल्म इंस्टीट्यूट से पढ़ाई करके नया-नया मुंबई आया था, तो यहां किसी को जानता नहीं था। कुछ पता नहीं था कि कहां से शुरुआत करनी है। बस एक आग थी कुछ करने की। पैशन था कि यही करना है जिंदगी में। मेरे पास कोई प्लान बी नहीं था। रोजाना जब मुझे काम नहीं भी मिलता था, तब भी मैं अपनी एक्टिंग स्किल पर ही काम किया करता था। उस जज्बे में मेरी मां ने मुझे बहुत हिम्मत दी। दो साल के अंदर मुझे अपनी पहली फिल्म लव सेक्स और धोखा मिली। उसके बाद मैंने छोटे-छोटे किरदार किए। गैंग्स ऑफ वासेपुर, शैतान, तलाश और रागिनी एमएमएस, मगर फिर काय पो चे और शाहिद ने मेरे करियर में बहुत कुछ बदला।

खान्स और कपूर से हटकर आपकी अपनी अलग फैन फॉलोइंग है, जो काफी लॉयल है।

इसके लिए मैं सभी का दिल से शुक्रगुजार हूं। मुझे पता है ये दुर्लभ है। बहुत कम होता है कि एक छोटे शहर से आया हुआ लड़का। अपना जुनून और आग लेकर आए, हां मैं बहुत थिएटर और एफटीआई से काफी कुछ सीख कर आया था। मगर जब मुझे अभूतपूर्व प्यार मिला, तो मैं समझता हूं कि ये सब ऊपरवाले की कृपा से हुआ है। आप के हाथ में ईमानदारी से मेहनत करना लिखा होता है बाकी तो ईश्वर के हाथ में होता है।

आपकी हॉरर-कॉमिडी स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है, कैसा लग रहा है?

बहुत खुशी हो रही है कि दर्शकों ने इतना प्यार दिया। स्त्री को भी ऑडियंस ने पसंद किया था और अब स्त्री 2 भी लोगों को लुभा रही है। स्त्री की अपनी फैन फॉलोइंग है और अब ये प्यार बढ़ता ही जा रहा है। इस बार तो लोगों ने दो-दो बार, तीन -तीन बार देखी है। मेरे किरदार बिक्की को बहुत प्यार मिल रहा है। मेरा फोन तो बंद होने का नाम ही नहीं ले रहा। कॉल्स, मैसेजेस की बाढ़ आई हुई है। इंडस्ट्री के तमाम सीनियर्स और कलीग्ज का मैसेज आ चुका है। सोशल मीडिया पर भी मुझे बहुत प्यार मिल रहा है। मुझे खुशी इस बात की हो रही है कि बहुत सारे लोगों ने कहा कि ये उनकी खुद की जीत है। मतलब ये तो मेरे दिल को छूने वाला है कि लोगों को मेरी जीत में अपनी जीत लग रही है, क्योंकि वो मुझे अपना ही मानते हैं। मेरे लिए इससे ज्यादा खुशी की बात नहीं हो सकती कि मैं आप सब लोगों के बीच से निकल कर आया। ये सारी सफलता दर्शकों की बदौलत है। सबसे बड़ी बात ये है कि एक अच्छी फिल्म चल रही है।

आप भूत-प्रेत और चुड़ैल में यकीन करते हैं?

देखिए, मैं नेगेटिव एनर्जी में बहुत यकीन करता हूं। अगर कोई मुझसे कहे कि उस जगह पर मत जाना, वहां कुछ है, तो मैं नेगेटिव एनर्जी का सम्मान करते हुए वहां नहीं जाऊंगा, क्योंकि मैं किसी तरह की एनर्जी को डिस्टर्ब करने में यकीन नहीं रखता।

व्यक्तिगत जीवन में पत्रलेखा जैसी अभिनेत्री पत्नी आपको किस तरह से संपूर्ण करती हैं?

वे मेरी ताकत हैं, मेरी सबसे बड़ी आलोचक हैं। मेरी हिम्मत हैं। वे मेरी पहली दर्शक होती हैं, जो फिल्म देखती हैं। उनको फिल्म पसंद आना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। वे खुद भी एक्टर हैं। बहुत शार्प हैं, स्मार्ट हैं, सिनेमा देखती हैं, तो उनका रिव्यू मेरे लिए बहुत मायने रखता है। चूंकि हम पति-पत्नी हैं, पार्टनर, लवर्स और दोस्त सभी कुछ हैं। हम परिवार हैं, तो उनसे मुझे बहुत हिम्मत मिलती है। जब जिंदगी में थोड़ा डाउन भी लगता है, तो उनके होने से जिंदगी खुशनुमा हो जाती है और जब लगता है कि दिमाग कहीं चढ़ न जाए, तो वो पकड़ कर नीचे भी ले आती हैं कि नीचे आ जाओ।

आंगनबाड़ी कार्यक्रमों पर गीत बनाएं व गाएं : आनंदीबेन पटेल

राज्यपाल ने 710 प्री स्कूल किट तथा पोषण पोटली बांटी

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को और अधिक सुविधा संपन्न बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शारदा यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा में आंगनबाड़ी केंद्रों हेतु 710 प्री स्कूल किट वितरित की गई, जिसमें ट्राई साइकिल, रीडिंग हॉर्स एबीसीडी सेट, एनिमल सेट, ब्लैक सेट चेयर्स स्टोरी बुक, रिंग क्ले समिति अन्य सामग्री है। इसके साथ ही 3 गर्भवती महिलाओं और 2 बच्चों को पोषण पोटली प्रदान की। जिसमें पौष्टिक आहार शामिल था। आंगनवाड़ी प्री-स्कूल किट वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, सांसद डॉ. महेश शर्मा, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, शारदा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति पीके गुप्ता, गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0रवींद्र कुमार सिन्हा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा किट वितरण कार्यक्रम में सहयोग करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

राज्यपाल ने कहा कि बच्चों के इस प्रकार के कार्यक्रमों में विभागीय कार्यों को समाहित करते हुए एक गीत तैयार कराना चाहिए और कार्यक्रम के दौरान समस्त विभागीय कर्मचारी और बच्चों के द्वारा इस गीत का गायन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार से ऐसे आयोजनों में बच्चों के द्वारा कार्यक्रम का संचालन कराया जाए, जिससे बच्चों में आत्मविश्वास जागृत हो और उन्हें सीखने का अवसर भी मिल पाए।

इस अवसर पर सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने कहा कि आज जो आंगनबाड़ी केंद्रों को प्री स्कूल किट का वितरण किया गया है, उससे आंगनबाड़ी केदो पर बच्चों की उपस्थिति में वृद्धि होगी साथ ही अभिभावक अपने बच्चों को केंद्र पर भेजने में रूचि रखेंगे।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, जिला कार्यक्रम अधिकारी पूनम तिवारी, अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां उपस्थिति रही।

ओमेक्स बिल्डहोम की 9262 वर्गमीटर जमीन सील

457 करोड़ रुपए है बकाया, नहीं हो रही बायर्स की रजिस्ट्री

नोएडा (चेतना मंच)। बायर्स के पक्ष में रजिस्ट्री नहीं करने और अमिताभा कांत की सिफारिश के तहत कुल बकाया का 25 प्रतिशत जमा नहीं करने पर प्राधिकरण ने बड़ा एक्शन लिया है। प्राधिकरण ने ओमेक्स बिल्डहोम प्राइवेट लिमिटेड की खाली पड़ी और अनसोल्ड जमीन 9 हजार 262.625 वर्गमीटर जमीन को सील कर दिया है। इस जमीन को नीलाम किया जाएगा। इससे मिलने वाले पैसों से बकाय की भरपाई होगी और बायर्स की रजिस्ट्री कराई जाएगी।

नोएडा प्राधिकरण सीईओ लोकेश एम ने बताया कि सेक्टर-93बी में जीएच-1,2 और 3 का आवंटन 3 अक्टूबर 2006 को मैसर्स ओमेक्स बिल्डहोम प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में किया गया था। 29 जून को बिल्डर के नाम लीजडीड की गई और भूखंड पर कब्जा दिया गया। शासन ने बकाया जामा करने के लिए 21 दिसंबर 2023 को अमिताभ कांत की सिफारिश लागू की। जिसमें कोविड का जीरो पीरियड का लाभ दिया गया। साथ ही कुल बकाया का 25 प्रतिशत जमा करने को कहा गया। ताकि बायर्स की रजिस्ट्री कराई जा सके।

बिल्डर ने प्राधिकरण को सहमति दी। बिल्डर का कुल बकाया 457.81 करोड़ है। 25 प्रतिशत धनराशि के रूप में 114.15 करोड रुपए बिल्डर को बिल्डर को जमा करने है। लेकिन उसने ये पैसा जमा नहीं किया। कई बार नोटिस जारी किया गया । साथ ही बैठक में बुलाया गया। लेकिन बिल्डर न तो बैठक में आया और न ही नोटिस का जवाब दिया। ऐसे में प्राधिकरण ने अनसोल्ड प्लाट को सील कर दिया है।

श्री हनुमान मंदिर सेक्टर -20 में हरतालिका तीज पर पूजा करती हुई सुहागिनें। फोटो : चेतना मंच

जेवर के प्रवीण कुमार ने पेरिस पैराओलंपिक में रचा इतिहास

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पेरिस पैराओलंपिक-2024 में ग्रेटर नोएडा के जेवर निवासी पैरा एथलीट प्रवीण कुमार ने इतिहास रचते हुए देश व गौतमबुद्धनगर के निवासियों का सर गर्व से ऊंचा कर दिया है। पैरा एथलीट प्रवीण कुमार ने पुरूष ऊंची कूद प्रतियोगिता में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता है।

भारत के पैरा एथलीट प्रवीण कुमार ने पेरिस पैरालंपिक में दमदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने पुरुष ऊंची कूद टी-44 स्पर्धा के फाइनल में 2.08 मीटर का स्कोर कर पहला स्थान प्राप्त किया और भारत को 26वां पदक दिलाया। पेरिस पैरालंपिक में अब भारत के कुल छह स्वर्ण पदक हो गए। हैं।

टोक्यो में प्रवीण ने जीता था रजत

पेरिस से पहले टोक्यो में भी प्रवीण कुमार ने पदक जीता था। उन्होंने 2.07 मीटर की छलांग लगाकर नए एशियाई रिकार्ड के साथ रजत पदक जीता था। अब उन्होंने अपने प्रदर्शन को दोहराते हुए पेरिस पैरालंपिक 2024 में स्वर्ण पदक जीतकर तिरंगा लहराया। मरियप्पन थंगवेलु के बाद पैरालंपिक में पुरुष ऊंची कूद में स्वर्ण पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय पैरा एथलीट हैं। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा शहर के पास जेवर से लगभग 6 किमी दूर यमुना के खादर स्थित गोविंदगढ़ गांव के प्रवीण कुमार को प्रज्ञान पब्लिक स्कूल में पढ़ाई के दौरान 2016 से ऊंची कूद का शौक लगा था। जिसके बाद स्कूल ने 2016 से ही प्रवीण कुमार को स्कूल और उसके बाद जिला स्तर पर खिलाया। इन प्रतियोगिताओं में लगातार जीत हासिल करने के बाद प्रवीण ने 2017 में छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित 22वें सीबीएसई क्लस्टर और उसके बाद नेशनल एथलेटिक्स मीट में स्वर्ण पदक हासिल किया। जिसमें प्रवीण ने 1.84 मीटर की छलांग लगाई। 2018 में प्रवीण कुमार को स्कूल की तरफ से खेलो इंडिया के तहत विभिन्न राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए भेजा गया जहां लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया। वर्ष 2019 में दुबई में आयोजित सीनियर वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीत के साथ ही प्रवीण कुमार का चयन टोक्यो में होने वाले पैरालंपिक 2020 के लिए हुआ और उन्होंने रजत पदक जीता। अब पेरिस में प्रवीण ने स्वर्ण जीता है।

कोच डा. सत्यपाल ने बदल दी दुनिया

गाजियाबाद के एक खेल आयोजन में प्रवीण की मुलाकात कोच डॉ. सत्यपाल से हुई थी। उनके कहने पर पैरों के बल ही प्रवीण ने करीब 1.8 मीटर छलांग लगाई थी। इसे देखकर डॉ. सत्यपाल ने उसे प्रशिक्षण देने का फैसला कर लिया था। कोच ने उसे दिल्ली बुलाया और अपने कोटला स्थित फ्लैट की चाभी दे दी। प्रवीण चार वर्षों से लगातार दिल्ली में रहकर ही प्रशिक्षण ले रहे थे।

जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने दी बधाई

पेरिस पैराओलंपिक-2024 में ग्रेटर नोएडा के पैरा एथलीट प्रवीण कुमार की इस उपलब्धि पर जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर प्रवीण कुमार को बधाई दी है। उन्होंने लिखा कि स्टार एथलीट प्रवीण कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी64 फाइनल में स्वर्ण पदक जीता। मेरी विधानसभा क्षेत्र जेवर के प्रवीण कुमार ने 2.08 मीटर के शानदार प्रयास के साथ एक नया एरिया रिकॉर्ड स्थापित करते हुए पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि के लिए आपको हार्दिक बधाई एवं उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

गुरूजनों को किया सम्मानित, बढ़ाया हौंसला

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय समाज में शिक्षक यानि कि गुरू का दर्जा सर्वोपरि माना गया है। इसी को आधार मानकर नोएडा शहर की प्रमुख संस्था लायंस क्लब नोएडा एलिट ने शिक्षकों को सम्मानित किया है। बृहस्पतिचार 5 सितंबर 2024 को शिक्षक दिवस के अवसर पर लायंस क्लब नोएडा एलिट ने 44 शिक्षकों को सम्मानित करके शिक्षकों का हौंसला बढ़ाया है। लायंस क्लब नोएडा एलिट के इस कार्यक्रम की खूब सराहना हो रही है।

लायंस क्लब नोएडा एलिट की सचिव पूनम शर्मा ने शिक्षकों को सम्मानित करने की जानकारी दी है। पूनम शर्मा ने बताया कि शिक्षक दिवस के अवसर पर लॉयंस क्लब नोएडा एलिट ने ऐसे शिक्षकों को सम्मानित किया है जो बिना किसी वेतन के समाज मे उन बच्चों को शिक्षा देने का कार्य निरंतर कर रहे हैं जिनके परिवार आर्थिक रूप से बिल्कुल भी सक्षम नहीं है। सिद्धार्थ मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा चलाए जा रहे स्कूल के बच्चो को समाज की मुख्य धारा में जोड़ने वाले 44 शिक्षकों को लॉयंस क्लब नौएडा एलिट की तरफ से लायंस इंटरनेशनल के प्रशस्ति पत्र एवं पौधों द्वारा सम्मानित किया गया।

इस समारोह मे डिस्ट्रिक्ट 321C1 के अधिकारी उप मंडलाध्यक्ष-विनय सिसोदिया व श्री मति शशि सिसौदिया, जौन चेयरपर्सेन - संजीव शर्मा ने शिक्षकों को सम्मानित किया।

लॉयंस क्लब नौएडा एलिट के अध्यक्ष कपिल शर्मा, सचिव पूनम शर्मा व लिओ सलाहकार रीना शर्मा, मोना चावला, पिंकी गुप्ता, संजीव गुप्ता व अन्य ने 44 शिक्षकों को पौधे भेंटकर पर्यावरण के प्रति जागरूक कर आभार प्रकट किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उददेश्य बिना फीस लिए बच्चों को पढ़ाने वाले शिक्षकों का हौंसला बढ़ाना था।

मोबाइल व चेन स्नैचिंग के बाद चोरी की बाइक कटवा कर छुपाते थे पहचान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा की थाना सेक्टर-113 पुलिस ने दिल्ली एनसीआर में मोबाइल व चेन स्नैचिंग करने वाले गिरोह के 4 बदमाशों व एक बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया है। नोएडा पुलिस ने अभिषेक उर्फ कालू पुत्र महेश यादव निवासी सोरखा, मसरे आलम पुत्र मकसूद आलम, ललित यादव उर्फ लुक्का व विमलेश उर्फ मनोज तथा एक बाल अपचारी को पकड़ा है। एडीसीपी ने बताया कि इस गिरोह का सरगना अभिषेक उर्फ कालू है जो विमलेश व बाल अचारी के साथ मिलकर बाइक चोरी करके उस चोरी की बाइक से मोबाइल व चेन स्नैचिंग की वारदात करते थे। मोटर साइकिल की पहचान न हो इसलिए गिरोह में शामिल बदमाश जल्द ही बाइक को मसरे आलम को बेचकर कटवा देते थे और फिर नई बाइक चोरी करते थे।

पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर में मोबाइल और चेन स्नैचिंग करने वाले गिरोह को पकड़ा है। गिरोह में शामिल बदमाश पहले बाइक चुराते थे फिर उसी बाइक से मोबाइल व चेन स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देकर बाइक की पहचान छुपाने के लिए उसे कटवा डालते थे।

एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्र ने एक प्रेसवार्ता में बताया कि स्नैचिंग करने वाले गिरोह के 4 बदमाशों व एक बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया है। नोएडा पुलिस ने अभिषेक उर्फ कालू पुत्र महेश यादव निवासी सोरखा, मसरे आलम पुत्र मकसूद आलम, ललित यादव उर्फ लुक्का व विमलेश उर्फ मनोज तथा एक बाल अपचारी को पकड़ा है। एडीसीपी ने बताया कि इस गिरोह का सरगना अभिषेक उर्फ कालू है जो विमलेश व बाल अचारी के साथ मिलकर बाइक चोरी करके उस चोरी की बाइक से मोबाइल व चेन स्नैचिंग की वारदात करते थे। मोटर साइकिल की पहचान न हो इसलिए गिरोह में शामिल बदमाश जल्द ही बाइक को मसरे आलम को बेचकर कटवा देते थे और फिर नई बाइक चोरी करते थे।

स्नैचिंग किए गए मोबाइल ये लोग ललित यादव को बेचते थे। इनके कब्जे से 6 चोरी की बाइक, 26 मोबाइल व अन्य सामान बरामद हुआ है। गैंग के सरगना अभिषेक उर्फ कालू के खिलाफ गौतमबुद्धनगर के कई थानों में एक दर्जन मुकदमें दर्ज हैं।

SAHARA BUILDER & PROPERTIES™
ISO 9001:2008
PROPERTIES AVAILABLE FOR SALE IN GREATER NOIDA

RESIDENTIAL

S.No	Plot Size	House No./Block	Price	Other Details
1	300 Sq.mtr	C-291, Sigma - 02	92 Lakh	Completion, S/W
2	200 Sq.mtr	G-660, Alpha - 02	1.25 Cr.	Completion,N/E & 18 MTR Road
3	60 Sq.mtr	G-439, Gamma - 02	52 Lakh	Single Story, Corner(18X12),N/E
4	1265 Sq.ft	Silver City - 02, PI-1	55 Lakh	2+1 BHK Apartment
5	29.76 Sq.ft	3TF/Block-60, Sector - 10	9 Lakh	1 BHK, Top Floor
6	2450 Sq.ft	Royal Apartment(Duplex), Sigma - 04	On Request	4BHK, Low rise, Lift
7	237 Sq.mtr	C-363, Sector - 03(EXTN)	1.40 Cr.	50% Completion, Corner, N/ W
8	110 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
9	131 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
10	930 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	14000/Sq.Mtr.	Corner Plot

COMMERCIAL

S.No	Shop Size	Complex Address	Price	Other Details
1	29.5 Sq.mtr	Block - C, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, Corner, N/E
2	463 Sq.ft	NQI Plaza, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, N/E
3	19.5 Sq.mtr	Kadamba Shopping Complex, Gamma -01	40 Lakh	G.Floor, N/W
4	8.15 Sq.mtr	Kiosk, P-3	22 Lakh	24 Mtr Road, N/W

CONTACT US : +919810441077, +919710441077
Add- Office No. 205, Sunrise Tower, Alpha 1
Commercial Belt, Gr.Noida, G.B.Nagar, U.P-2010308

रात के अंधेरे में चांदी काट रहे हैं खनन माफिया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश का ग्रेटर नोएडा शहर सोना उगल रहा है। ग्रेटर नोएडा के इस सोने से यहां सक्रिय खनन माफिया की चांदी हो रही है। रात के अंधेरे में खनन माफिया जेसीबी, पोकलेन मशीन से ग्रेटर नोएडा की बेशकीमत जमीन को खोखला कर रहे हैं।

लाखों-करोड़ों के इस खेल में खनन माफियाओं को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों व कर्मचारियों का भी संरक्षण प्राप्त है।

ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक सेक्टर में अवैध खनन

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा शहर में चल रहे निर्माण कार्यों में मिट्टी की जरूरत को पूरा करने के लिए ग्रेटर नोएडा की जमीन पर खनन माफिया की गिद्ध नजर है। जानकारी के मुताबिक ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक सेक्टर-8, 9 व 10 में बड़े स्तर पर अवैध खनन कर बड़े-बड़े गड्ढे कर दिए गए हैं। सोना उगल रही ग्रेटर नोएडा की जमीन से मिट्टी खोदकर खनन माफिया मोटी कमाई कर रहे हैं। खनन माफिया ग्रेटर नोएडा में रात के अंधेरे में खनन करते हैं। रात में जेसीबी, पोकलेन मशीन डंपर और ट्रैक्टर ट्राली की आवाजाही बढ़ जाती है। खनन माफिया एक मिट्टी की ट्रॉली डेढ़ हजार रुपए और एक डंपर मिट्टी 3000 से 4000 रूपये में बेचते हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने छेड़ा अभियान

ग्रेटर नोएडा में अवैध रूप से हो रहे मिट्टी खनन को रोकने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अभियान छेड़ा है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वी.एस. ने बताया कि प्राधिकरण को जैसे ही सूचना मिलती है। वर्क सर्किल के प्रभारी द्वारा थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाती है। कुछ दिनों में ही पांच एफआईआर खनन माफिया के खिलाफ दर्ज कराई गई हैं। अवैध खनन की सूचना पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम मौके पर पहुंचकर काम रूकवाती है और पुलिस को सूचना देकर खनन माफिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई जाती है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वी.एस. ने बताया कि खनन माफियाओं और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत की वीडियो वायरल हुई हैं उनके खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। दो कर्मचारियों को वर्क सर्किल से हटाया भी गया है। एसीईओ ने बताया कि ग्रेटर नोएडा में खनन माफिया के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जा रहा है तथा लगातार अभियान चलाकर अवैध खनन को रोका जा रहा है।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

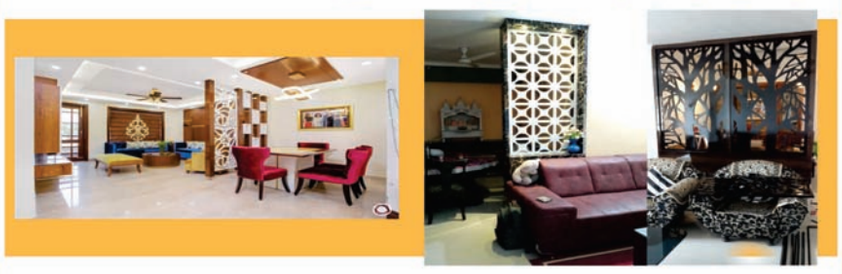

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com